सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

सूर्यकुमार यादव की नेट्स पर वापसी, एशिया कप के लिए शुरू की तैयारी -पेज: 7

फिल्म हाटक में नए अवतार में फिल्मी पर्दे पर दिखने वाली हैं अदा शर्मा -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 146 | बुधवार 03 सितंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

पीएम मोदी का राजद-कांग्रेस पर तीखा हमला- मां के अपमान के लिए बिहार की जनता माफ नहीं करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि बिहार में कांग्रेस की हाल में संपन्न हुई वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान उनकी मां को अपशब्द कहे जाने से उन्हें गहरा दुख हुआ है और इस घटना के लिए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) एवं कांग्रेस को वह भले ही माफ कर दें लेकिन बिहार के लोग इन दलों को कभी माफ नहीं करेंगे। मोदी ने दरभंगा में हाल में वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान मंच से उनकी दिवंगत मां को अपशब्द कहे जाने से पैदा हुए विवाद पर पहली बार प्रतिक्रिया देते हुए विपक्षी दलों पर निशाना साधा और कहा कि उनकी मां को अपशब्द कहना उन लोगों के लिए बड़ी बात नहीं है जो भारत माता' का अपमान करते हैं और ऐसे लोगों को दंडित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, मेरी दिवंगत मां का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था तो उनका क्या दोष था। उनके लिए अपशब्द क्यों कहे गए?" प्रधानमंत्री ने बिहार में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के लिए एक नयी सहकारी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि बिहार में कांग्रेस की हाल में संपन्न हुई ह्यवोटर अधिकार यात्रा' के दौरान उनकी मां को अपशब्द कहे जाने से उन्हें गहरा दुख हुआ है और इस घटना के लिए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) एवं कांग्रेस को वह भले ही माफ कर...

पहल के डिजिटल तरीके से उद्घाटन के मौके पर दिल्ली में एक सभा को संबोधित करते हुए ये टिप्पणियां कीं। मोदी ने कहा, बिहार मां जानकी की धरती है... यहां महिलाओं को हमेशा से सम्मान दिया गया है। यहीं छठ पूजा मनाई जाती है। राजद और कांग्रेस के मंच से मेरी मां को अपशब्द कहे गए... मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि ऐसा होगा... यह बिहार की मां-बेटियों का अपमान है... राज्य की जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी।" उन्होंने कहा, मैं अपनी मां का बेटा हूं... मैं अपना दर्द आपके साथ साझा कर रहा हूं।" प्रधानमंत्री ने कहा, मैं देश की महिलाओं के कल्याण के लिए अथक प्रयास कर रहा हूं... जिस मां ने मुझे जन्म दिया, उसने मुझे मातृभूमि की सेवा करने के लिए कहा जो मैं कर रहा हूं। उन्होंने कभी अपने लिए साड़ी नहीं खरीदी और हमारे लिए पैसे बचाकर रखे। मुझे कहना होगा कि मां का स्थान भगवान से भी बढ़कर है।" उन्होंने कहा कि जो लोग माताओं एवं बहनों को अपशब्द कहते हैं वे महिलाओं को कमजोर समझते हैं। मोदी ने कहा, उनकी इसी मानसिकता के कारण वे महिलाओं को शोषण एवं उत्पीड़न की वस्तु समझते हैं। जब भी महिला विरोधी मानसिकता वाले लोग सत्ता में आए, माताओं, बेटियों एवं बहनों को सबसे अधिक कष्ट सहना पड़ा... यह राजद के 'माफिया राज' के दौरान हुआ था।" प्रधानमंत्री ने कहा, राजद के शासकाल में बिहार में अपराध चरम पर थे और राज्य में हर दिन हत्या, रंगदारी और बलात्कार की घटनाएं होती थीं। राजद सरकार हत्यारों और बलात्कारियों को संरक्षण देती थी। महिलाओं को इसका खामियाजा भुगतना पड़ा... इसलिए उन्होंने ही राजद को सत्ता से बेदखल किया और अब यह क्षेत्रीय पार्टी महिलाओं से इसका बदला लेना चाहती है।" मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पिछड़े समुदाय के किसी व्यक्ति को सत्ता में आते देखने की बात कभी बर्दाश्त नहीं कर पाती और इसीलिए वे अपशब्द कह रहे हैं उन्होंने कहा, मेरी मां का अपमान करने के लिए मैं भले ही उन्हें माफ कर दूं लेकिन बिहार की जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी। राज्य की जनता को कहना होगा कि आने वाले दिनों में वो इन दलों के नेताओं को सजा देंगे।" मोदी ने कहा, बिहार की जनता को राजद और कांग्रेस के नेताओं से जवाब मांगना चाहिए हर गली-मोहल्ले में एक ही आवाज सुनाई देनी चाहिए हम एक मां का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे, हम राजद का अत्याचार और कांग्रेस के हमले बर्दाश्त नहीं करेंगे।"

के कविता के खिलाफ बीआरएस का एक्शन, पार्टी से तत्काल प्रभाव से किया गया निलंबित

तेलंगाना: भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने मंगलवार को अपनी एमएलसी के. कविता को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निलंबित कर दिया। यह निर्णय उनके पिता, तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव ने लिया। उन्होंने अनुशासनात्मक कार्रवाई का कारण उनकी हालिया टिप्पणियों और गतिविधियों को बताया जो पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों के विरुद्ध थीं। बीआरएस ने ट्वीट किया कि पार्टी नेतृत्व इस मामले को गंभीरता से ले रहा है क्योंकि पार्टी एमएलसी के. कविता का हालिया व्यवहार और चल रही पार्टी विरोधी गतिविधियाँ बीआरएस पार्टी को नुकसान पहुँचा रही हैं। पार्टी अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव ने के. कविता को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निलंबित करने का निर्णय लिया है। कविता का निलंबन बीआरएस के भीतर एक बड़ी घटना है, जो ऐसे समय में हुआ है जब पार्टी पहले से ही आंतरिक चुनौतियों से जूझ रही है। यह कदम हफ़्तों से बढ़ते तनाव के बाद उठाया गया है।

वोटर अधिकार यात्रा में गुम हुई बाइक! राहुल गांधी ने खोई बाइक के बदले दी नई पल्सर, दरभंगा के युवक का जीता दिल

बिहार (एजेंसी): एक राजनीतिक रोड शो में अप्रत्याशित मोड़ तब आया जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में बिहार के दरभंगा के एक ढाबा मालिक को एक बिल्कुल नई पल्सर 220 बाइक उपहार में दी, जिसकी मोटरसाइकिल एक रैली के दौरान गायब हो गई थी।यह घटना 27 अगस्त को हुई, जब राहुल गांधी अपनी मतदाता अधिकार यात्रा के तहत दरभंगा में एक रोड शो और रैली कर रहे थे। इस दौरान, सुरक्षाकर्मियों ने ढाबे के पास खड़ी कई बाइकें जब्त कर लीं। इनमें ढाबे के मालिक शुभम की एक पल्सर 220 भी शामिल थी। कांग्रेस ने ह्यएक्सह्ल पर शुभम सौरभ की एक वीडियो पोस्ट की है, जिसने अपनी आपबीती सुनाई और गर्व से अपनी मोटरसाइकिल की चाबी दिखाई, जिसे खुद राहुल गांधी ने उन्हें

सौंपा है। सौरभ ने बताया, जब राहुल गांधी दरभंगा में बाइक रैली निकाल रहे थे, तो मैंने अपनी मोटरसाइकिल उनके साथ चल रहे सुरक्षाकर्मियों को दे दी थी। बाद में जब मुझे पता चला कि मेरी मोटरसाइकिल कहीं खो गई है, तो मैं बहुत दुखी हुआ। उन्होंने बताया, दो दिन पहले, मुझे किसी अनजान व्यक्ति का फोन आया। उसने कहा कि राहुल गांधी एक सितंबर को पटना में मुझे एक नयी मोटरसाइकिल भेंट करना चाहते हैं। युवक ने यह खबर अपने पिता को बताई। हालांकि, शुरू में तो दोनों को इस बात पर यकीन नहीं हुआ, लेकिन उन्होंने तय किया कि जिस दिन राहुल गांधी वोटर अधिकार यात्रा का समापन करेंगे, उसी दिन वे पटना जाएंगे। उन्हें आयकर गोलम्बर पर इंतजार करने के लिए कहा गया, जहां गांधी मैदान जाते समय लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल युवक को चाबियां सौंपने के लिए कुछ देर रुके। सौरभ ने कहा, मुझे उसी मॉडल की बिल्कुल नयी मोटरसाइकिल मिलने की खुशी है, जो मैंने खो दी थी। इतने बड़े नेता के इस कदम से मैं अभिभूत हूं। गौरतलब है कि कांग्रेस की 14 दिवसीय, 1,300 किलोमीटर लंबी वोटर अधिकार यात्रा सोमवार को बिहार की राजधानी पटना में संपन्न हुई। राहुल गांधी द्वारा 17 अगस्त को सासाराम से शुरू की गई इस यात्रा का उद्देश्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के माध्यम से लोगों के मताधिकार पर कथित हमले को उजागर करना था। यह यात्रा राज्य के 38 जिलों में से 25 के 110 से अधिक विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरी।

भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में सबसे बड़ा बदलाव लाएगी : पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि वह दिन दूर नहीं जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में सबसे बड़ा बदलाव लाएगी। भारत बनेगा फुल स्टैक सेमीकंडक्टर नेशन राष्ट्रीय राजधानी में सेमीकॉन इंडिया 2025 का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत सेमीकंडक्टर उद्योग के केवल बैकएंड से आगे बढ़ रहा है और अब वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और आत्मनिर्भर बनने के लिए एक फुल-स्टैक इकोसिस्टम का निर्माण कर रहा है। दुनिया भारत के साथ सेमीकंडक्टर का भविष्य बनाने के लिए तैयार 40 से अधिक देशों के इंडस्ट्री लीडर्स, इनोवेटर्स और प्रतिनिधियों की वैश्विक सभा को

संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, दुनिया भारत पर भरोसा करती है। दुनिया भारत में विश्वास करती है। दुनिया भारत के साथ सेमीकंडक्टर का भविष्य बनाने के लिए तैयार है।ह्व भारत की नीतिगत स्थिरता और तकनीकी क्षमता ने देश को एक मजबूत साझेदार बनाया उन्होंने कहा कि भारत की नीतिगत स्थिरता और तकनीकी क्षमता ने देश को एक मजबूत साझेदार बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश में अब तेजी से काम हो रहा है। हमारा मानना है कि जितना कम पेपरवर्क होगा, उतना ही जल्दी वैफर वर्क शुरू हो सकेगा। सरकार प्रक्रियाओं को सरल बनाकर उद्योग जगत को नई ऊर्जा देने का कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि वह दिन दूर नहीं जब दुनिया कहेगी–डिजाइन इन इंडिया, मेड इन इंडिया, ट्रस्टेड बाय वर्ड। (भारत में डिजाइन किया, भारत में निर्मित और विश्व का भरोसेमंद)। भारत का सेमीकंडक्टर प्रयास एक संपूर्ण इकोसिस्टम का निर्माण करना है उन्होंने कहा, सेमीकंडक्टर की दुनिया में, तेल को अक्सर काला सोना कहा जाता है, जबकि चिप्स को डिजिटल हीरा माना जाता है।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत का सेमीकंडक्टर प्रयास केवल चिप्स बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि एक संपूर्ण इकोसिस्टम का निर्माण करना है, जो वैश्विक उद्योग को नए सिरे से परिभाषित करेगा। उन्होंने 21वीं सदी में सेमीकंडक्टर के महत्व की तुलना पिछली सदी में तेल की भूमिका से की।

दिल्ली में बाढ़ का अलर्ट: यमुना का लोहा पुल बंद, यातायात डायवर्ट, सीएम बोलीं- हालात काबू में

नई दिल्ली (एजेंसी): दिल्ली यातायात पुलिस ने मंगलवार को एक परामर्श जारी कर कहा कि यमुना में बढ़ते जलस्तर के कारण लोहा पुल, जिसे पुराना लोहे का पुल भी कहा जाता है, शाम 4 बजे से अगली सूचना तक बंद रहेगा। साथ ही हनुमान सेतु, राजा राम कोहली मार्ग और गीता कॉलोनी रोड के रास्ते यातायात के संभावित परिवर्तन के बारे में यात्रियों को चेतावनी दी गई है, तथा लोगों से सार्वजनिक परिवहन का विकल्प चुनने और लोहा पुल तथा इसके आस-पास के हिस्सों में व्यवधान के लिए अतिरिक्त समय के साथ यात्रा करने का आग्रह किया है। इससे पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को नई दिल्ली के लोहा पुल के पास बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान 205.33 मीटर से ऊपर पहुँच जाने के कारण पुल के आसपास यातायात

और आम लोगों की आवाजाही रोक दी गई थी। अपने दौरे के दौरान, मुख्यमंत्री ने निवासियों से बातचीत की और कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने बताया कि हथिनीकुंड बैराज से छोड़ा गया पानी शाम तक राष्ट्रीय राजधानी पहुँचने की उम्मीद है और प्रभावित परिवारों के रहने की व्यवस्था कर दी गई है। गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। हथिनीकुंड बैराज से छोड़ा गया पानी शाम तक दिल्ली पहुँचने की उम्मीद है। इसके बावजूद, यहाँ से पानी का बहाव सही दिशा में है। प्रशासन ने यहाँ के निवासियों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ कर दी हैं। और भी बेहतर व्यवस्थाएँ की जाएँगी। मैंने यहाँ के लोगों से मुलाकात की और उनके रहने की व्यवस्था देखी...यमुना के मैदान में ही पानी का बहाव है...लोगों के लिए सभी व्यवस्थाएँ की जा रही हैं...हम किसी भी तरह की कठिनाई नहीं होने देंगे।

पंजाब में आई बाढ़ से लड़ने को तैयार 'एएपी', सभी सांसद-विधायक एक महीने की सैलरी दान करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी): आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को देश के सभी राजनीतिक दलों, राज्य सरकारों और खासकर केंद्र सरकार से बाढ़ की मार झेल रहे पंजाब की मदद करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आप के सभी सांसद व विधायक बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए अपनी एक महीने की सैलरी पंजाब मुख्यमंत्री बाढ़ राहत कोष में दान कर रहे हैं। पंजाब सरकार के मंत्रियों और विधायकों समेत आप के सभी कार्यकर्ता दिन-रात जमीन पर राहत कार्य में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि देश पर आई किसी भी मुसीबत के सामने पंजाब हमेशा सीना तानकर खड़ा रहा है। लेकिन आज पंजाब संकट में है। मेरी सभी देशवासियों से अपील है कि इस मुश्किल घड़ी में पंजाब के लोगों की हर संभव मदद करें। आइए, हम सब राजनीति से ऊपर उठाकर इंसानियत का धर्म निभाएं और पंजाब को इस भयानक त्रासदी से उबारें। मंगलवार को अरविंद केजरीवाल बाढ़ से जूझ रहे पंजाब के लोगों की मदद की अपील

के साथ एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि पंजाब हमारे देश का केवल एक राज्य नहीं है, बल्कि हिन्दुस्तान की एक मजबूत ढाल है। इतिहास गवाह है कि जब भी कोई विदेशी हमलावर हमारे देश की ओर बढ़ा तो पंजाब ने अपनी छाती पर पहला वार झेला। भारत में जितने भी हमले हुए, उन सभी को पंजाब ने अपने सीने पर झेल कर पूरे भारत की रक्षा की। हर मुश्किल घड़ी में पंजाब हमेशा सबसे आगे खड़ा रहा। यह वही पंजाब है, जिसने आजादी के यज्ञ में अपने सबसे ज्यादा बेटों की आहुति दी थी और सरहदों की हिफाजत के लिए अनगिनत शहादतें दी। आजादी की लड़ाई में सबसे ज्यादा फांसी पंजाबियों को हुई और पंजाबी सबसे ज्यदा काला पानी गए। इस मिट्टी के कण-कण में मर-मिटने का जज्बा है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाबियों ने हमेशा भारत मां की रक्षा के लिए अपनी कुर्बानियां दी हैं ताकि बाकी देश महफूज रह सके। पंजाब पांच दरियाओं की वह पवित्र धरती है, जिसके पानी से सिर्फ फसलें ही नहीं, बल्कि ज्ञान व वीरता की गाथाएं भी सिंची गई हैं। यह वो भूमि हैं, जहां वेदों की ऋचाएं गूंजीं, जहां गुरुओं की पवित्र वाणी ने रास्ता दिखाया। जब भारत में अन्न की कमी हुई और यह डर था कि बढ़ती हुई जनसंख्या का पेट कैसे भरेगा, तब पंजाब ने हरित क्रांति के दौरान अपनी धरती में बीज व खाद डालकर पूरे देश के लिए अनाज पैदा किया। पंजाब पूरे देश का पेट भरता है। पूरे देश के लोगों की भूख मिटाने की जिम्मेदारी पंजाब ने उठाई है। आज वही पंजाब मुसीबत में है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज कुदरत ने पंजाब पर ऐसा कहर ढाया है कि पंजाब बाढ़ की चपेट में आ गया है। पंजाब के खेतों मे बेसुमार पानी भरा है। पंजाब के लोग बेघर और बेरोजगार हो गए हैं। हजारों एकड़ फसल बर्बाद हो गई है। इस आपदा की घड़ी में आज हर पंजाबी एक-दूसरे की मदद कर रहा है। अपनी मुसीबत भूल कर हर पंजाबी अपने पड़ोसी की मदद कर रहा है। इंसानियत की यह मिशाल केवल पंजाब में ही संभव है।

घुसपैठियों की अब खैर नहीं, हर राज्य में बनेंगे डिटेंशन सेंटर, आव्रजन और विदेशी अधिनियम के सख्त प्रावधान देश में लागू

नई दिल्ली (एजेंसी): भारत सरकार ने हाल ही में लागू इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट 2025 के तहत विदेशियों के प्रवेश और ठहराव पर कई सख्त प्रावधान किए हैं। यह आदेश सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक व्यवस्था और संवेदनशील सीमाई इलाकों की सुरक्षा से जुड़ा है। यह प्रावधान स्पष्ट करता है कि भारत अब अपनी सुरक्षा नीतियों में किसी तरह का जोखिम उठाने को तैयार नहीं है। हम आपको बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के आधिकारिक आदेश में कहा गया है कि विदेशियों पर अगर राष्ट्र विरोधी गतिविधियों, जासूसी, बलात्कार और हत्या, आतंकवादी कृत्यों, बाल तस्करी या किसी प्रतिबंधित संगठन का सदस्य होने का आरोप सिद्ध होता है तो उन्हें भारत में प्रवेश करने या रहने की अनुमति देने से मना किया जा सकता है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि हाल ही में लागू किए गए आव्रजन एवं विदेशी अधिनियम, 2025 के तहत प्रत्येक राज्य सरकार और केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन विदेशियों की आवाजाही को प्रतिबंधित करने के उद्देश्य से समर्पित निरुद्ध केंद्र या हिरासत शिविर स्थापित करेगा, जब तक कि उन्हें निर्वासित नहीं कर दिया जाता। गृह मंत्रालय ने कहा कि जो भी विदेशी किसी भी श्रेणी के वीजा के लिए आवेदन करता है, जिसमें प्रवासी भारतीय नागरिक (ओसीआई) कार्डधारक के रूप में

जारी करने वाली अथवा ओसीआई कार्डधारक के रूप में पंजीकरण प्रदान करने वाले प्राधिकरण को अपनी बायोमेट्रिक जानकारी देने की अनुमति देनी होगी, और यह प्रक्रिया वीजा या पंजीकरण दिए जाने से पहले पूरी की जाएगी। गृह मंत्रालय ने यह भी कहा कि यदि भारत में अवैध प्रवासियों को पकड़ा जाता है, तो उन्हें निर्वासन (देश से वापस भेजे जाने) की प्रक्रिया पूरी होने तक किसी होल्डिंग सेंटर या शिविर में रखा जाएगा और उनकी आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। हम आपको बता दें कि निर्दिष्ट सीमा सुरक्षा बल या तटरक्षक

निर्दिष्ट सीमा सुरक्षा बल या तटरक्षक बल भारत में प्रवेश करने का प्रयास करने वाले अवैध आप्रवासियों को रोकने के लिए...

बल भारत में प्रवेश करने का प्रयास करने वाले अवैध आप्रवासियों को रोकने के लिए कदम उठाएंगे तथा केंद्र सरकार के निर्दिष्ट पोर्टल पर उनकी बायोमेट्रिक जानकारी और उपलब्ध जनसांख्यिकीय विवरण प्राप्त करने के बाद उन्हें वापस भेजेंगे। गृह मंत्रालय के आदेश में कहा गया, किसी विदेशी को निम्नलिखित आधारों पर भारत में प्रवेश या रहने से मना किया जा सकता है, अर्थात- यदि उसे राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों, जासूसी, बलात्कार और हत्या, मानवता के विरुद्ध अपराध, आतंकवादी और विध्वंसक गतिविधि के आरोपों में दोषी ठहराया जाता है, जिसमें ऐसी गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता या धन शोधन या हवाला की व्यवस्था करना शामिल है। गृह मंत्रालय के आदेश में कहा गया, मादक पदार्थों और मनःप्रभावी पदार्थों की तस्करी, बाल तस्करी सहित मानव तस्करी, नकली यात्रा दस्तावेजों और मुद्रा (क्रिप्टोकरेंसी सहित) में धोखाधड़ी, साइबर अपराध, बाल दुर्व्यवहार या ऐसे अपराधों में संलिप्त पाया जाना। गृह मंत्रालय ने कहा कि कोई भी विदेशी, जिसके पास भारत में रोजगार के लिए वैध वीजा हो, बिना नागरिक प्राधिकरण की अनुमति के, बिजली या जल आपूर्ति से जुड़े निजी क्षेत्र के उपक्रमों या पेट्रोलियम क्षेत्र में कार्यरत किसी संस्था में रोजगार स्वीकार नहीं कर सकता। आदेश में कहा गया, कोई भी विदेशी व्यक्ति किसी फीचर फिल्म, वृत्तचित्र, रियलिटी टेलीविजन और वेब शो या सीरीज, व्यावसायिक टेलीविजन धारावाहिक या शो, वेब शो या सीरीज, या केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर निर्दिष्ट किसी अन्य माध्यम या रूप में सार्वजनिक प्रदर्शन हेतु सामग्री का निर्माण, निर्माण का प्रयास या निर्माण करवाने का कार्य केवल लिखित अनुमति प्राप्त करने के बाद ही कर सकता है और वह भी निर्धारित विशेष शर्तों के अधीन होगा।

संपादकीय

संभावनाओं भरी मुलाकात

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन से इतर तियानजिन में हुई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात से भारत में उत्साह का माहौल है। यह मुलाकात द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयासों पर ही अधिक केंद्रित रही। पूर्वी लद्दाख में सीमा गतिरोध के बाद से ही दोनों देशों के संबंधों में इतना तनाव आ गया था कि मोदी और शी की मुलाकात से ही उम्मीदें जगने लगती है। मोदी 2020 में हुए इस विवाद के बाद पहली बार चीन पहुंचे हैं। हालांकि दोनों नेता पिछले साल रूस के कजान में भी मिले थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के छेड़े टैरिफ 'युद्ध' से मची उथल-पुथल के बीच बेहद सावधानी से हुए संवाद में दोनों नेताओं ने खूब अच्छी अच्छी बातें कहीं। मोदी ने कहा कि भारत आपसी विश्वास, सम्मान एवं संवेदनशीलता के आधार पर चीन के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधि सीमा प्रबंधन पर भी एक समझौते पर पहुंच गए हैं। कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू हो गई है। दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें भी फिर से शुरू हो रही हैं। विश्व अर्थव्यवस्था में मौजूदा अस्थिरता को देखते हुए, दो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के रूप में भारत और चीन का विश्व आर्थिक व्यवस्था में स्थिरता लाने के लिए मिलकर काम करना महत्त्वपूर्ण है। वहीं चीन के राष्ट्रपति शी शिनफिंग ने एक कदम आगे बढ़कर कहा कि दोनों देशों का 'मित्र' बनना सही विकल्प है तथा 'हाथी (भारत) एवं ड्रैगन (चीन)' को एक-दूसरे की सफलता का मिलकर जश्न मनाना चाहिए। चीन और भारत एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं बल्कि विकास के अवसर हैं। दुनिया इस समय ऐसे बदलावों से गुजर रही है जो सदी में एक बार होते हैं। मोदी और शी की मुलाकात पर सवाल भी उठे हैं। कांग्रेस का कहना है कि सेना प्रमुख ने लद्दाख में सीमा पर यथास्थिति की पूर्ण बहाली की मांग की थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। और मोदी सरकार चीन के साथ सुलह की दिशा में कदम बढ़ा रही है। इससे उस क्षेत्र में चीन की आक्रामकता को अप्रत्यक्ष रूप से वैधता मिल गई है। लगता है इसी साल 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के साथ चीन की जुगलबंदी को क्या हमने भुला दिया है। कुल मिलाकर जहां यह माना जा रहा था कि यह मुलाकात ट्रंप को करारा जवाब देने का मार्ग प्रशस्त करेगी तो इस बारे में साफ-साफ कोई रणनीति नहीं बनी है। कारण यह कि भारत रूस-चीन को साधना चाहता है तो अमेरिका को भी।

चिंतन-मनन

राष्ट्रीय एकता में बाधक तत्व

आर्थिक और सामाजिक असमानता राष्ट्रीय एकता में बहुत बड़ी बाधा है। उस असमानता का मूल है अहं और स्वार्थ। इसलिए राष्ट्र की भावात्मक एकता के लिए अहं-विसर्जन और स्वार्थ-विसर्जन को मैं बहुत महत्व देता हूं। जातीय असमानता भी राष्ट्रीय एकता का बहुत बड़ा विघ्न है। उसका भी मूल कारण अहं ही है। दूसरों से अपने को बड़ा मानने में अहं पुष्ट होता है और आदमी अपने-आप में संतोष का अनुभव करता है। अहं का विसर्जन किए बिना जातीय भेद का अंत नहीं हो सकता।

मनुष्य जन्मना मनुष्य का शत्रु नहीं है। एक पेड़ की दो शाखाएं परस्पर विरोधी कैसे हो सकती हैं? फिर भी यह कहा जाता है कि धर्म-संप्रदाय मनुष्यों में मैत्री स्थापित करने के लिए प्रचलित हुए हैं। उनमें जन्मना शत्रुता नहीं है, फिर मैत्री स्थापित करने की क्या आवश्यकता हुई? मैं फिर इस विश्वास को दोहराना चाहता हूं कि मनुष्य-मनुष्य में स्वभावतः शत्रुता नहीं है। वह निहित स्वार्थ वाले लोगों द्वारा उत्पन्न की जाती है। उसे मिटाने का काम धर्म-संप्रदाय ने प्रारंभ किया, किंतु आगे चलकर वे स्वयं निहित स्वार्थ वाले लोगों से घिर गए और मनुष्य को मनुष्य का शत्रु मानने के सिद्धांत की पुष्टि में लग गए। इस चिंतन के आधार पर मुझे लगता है कि सांप्रदायिक समस्या का मूल भी अहं और स्वार्थ को छोड़कर अन्यत्र नहीं खोजा जा सकता। इसलिए सांप्रदायिक वैमनस्य की समस्या को सुलझाने के लिए भी अहं और स्वार्थ का विसर्जन बहुत आवश्यक है।

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, को भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है। अपनी भाषा के प्रति आकर्षण होना अस्वाभाविक नहीं है। पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकर्षण होता है, उतना ही दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है। राष्ट्रीय एकता के लिए इन विषयों पर गंभीर चिंतन करना आवश्यक है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

मंदारगिरी पर्वत व महावीर का शांति संदेश का स्वर्णिम अवसर

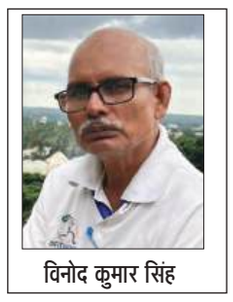

विनोद कुमार सिंह

धन्य -धन्य है वह धरा,जहाँ अनगिनत संत-महापुरुष,ऋषि-मुनि और स्वयं भगवान के अवतार राम, कृष्ण,कबीर,तुलसी,नानक,बुद्ध और महावीर अवतरित होकर संपूर्ण सृष्टि और मानवता के कल्याण हेतु अमूल्य संदेश देते आए हैं।आज इसी कारण भारत को विविधता में एकता का प्रतीक माना जाता है। यहाँ हिंदू, मुस्लिम,सिख,ईसाई आदि सभी धर्मों के लोग भाईचारे के साथ शताब्दियों से एक साथ रहते आए हैं।इन्हीं संत परंपराओं में हजारों वर्ष पूर्व भगवान महावीर ने संपूर्ण संसार को शांति,मैत्री और मानवता का उपदेश दिया।उन्होंने 'अहिंसा परमो धर्मः' का शाश्वत संदेश दिया-जो आज भी संसार के लिए प्रासंगिक है।विगत दिनों मुझे रेलवे बोर्ड के दिलीप कुमार,ई.आई.डी.पी. के कुशल नेतृत्व में नेशनल मीडिया टीम के सदस्य के रूप में तीन दिवसीय यात्रा पर आईटी नगर,बेंगलुरु जाने का स्वर्णिम अवसर मिला।संयोग से यह यात्रा सावन पूर्णिमा,रक्षाबंधन के पावन पर्व पर आरंभ हुई।बारिश के बीच हम दिल्ली एयरपोर्ट पहुँचे और हवाई मार्ग से बेंगलुरु पहुँचे तो शाम हो चुकी थी।वहाँ रेलवे के स्थानीय पीआर टीम ने हमारा हार्दिक स्वागत किया और कारों के काफिले में हमें गंतव्य तक पहुँचाया।रास्ते में हमने दक्षिण भारतीय व्यंजनों और स्पेशल कॉफी का आनंद लिया।अगले दिन के कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए जल्दी विश्राम किया।अगली सुबह प्रधानमंत्री द्वारा तीन वंदे भारत एक्सप्रेस और मेट्रो परियोजनाओं के उद्घाटन का मीडिया कवरेज किया।थकान के बावजूद हमारे टीम कुशल व कुशाग्र कप्तान दिलीप सर ने मुस्कुराते हुए कहा - 'आप सभी अभी से थक गए? अभी तो हमें दर्शनीय स्थलों का आनंद लेना है।' हम सभी तैयार हो गए और कारवाँ एक रमणीय स्थल की ओर बढ़ा।

रास्ते में हमने सुंदर मंदिरों, प्राचीन शिल्पकृतियों और जीवंत कला कतियों की आकृति को पत्थरों में देखा।वहाँ से हम मंदारगिरी पर्वत की ओर बढ़े।रास्ते में मैंने दिलीप सर से पूछा- 'हमारे ऋषि-मुनि,संत और देवी-देवता हमेशा कठिन पर्वतों और कंदराओं को अपनी तपोस्थली क्यों बनाते थे? 'सर मुस्कुराए और बोले – 'ताकि हम जैसे लोग उनकी साधना में व्यवधान न डालें।जब हम कठिनाई सहकर ऐसे स्थानों तक पहुँचते हैं,तभी हम उनके आशीर्वाद और दिव्यता का सही अनुभव कर पाते हैं।'

मंदारगिरी पर्वत पर पहुँचकर हमने पिंची आकार के 81 फुट ऊँचे गुरु मंदिर का दर्शन किया।यह मंदिर दिगंबर जैन तपस्वी श्री शांतिसागर जी महाराज को समर्पित है।पास ही चंद्रनाथ तीर्थंकर की भव्य प्रतिमा है, जो बाहुबली जैसी प्रतीत होती है।

वहाँ हमने एक अद्भुत दृश्य देखा – गाय और शेरनी एक घाट पर जल पी रहे थे,गाय का दूध शेरनी का शावक पी रहा था वही शेरनी का दूध गाय का बछड़ा।यह दृश्य भगवान महावीर के अहिंसाऔर सह-अस्तित्व के संदेश का जीवंत प्रमाण प्रतीत हो रहा था।पर्वत की चोटी तक पहुँचने के लिए लगभग 460 सीढ़ियाँ चढ़नी पड़ती हैं। शिखर पर चार प्राचीन जैन मंदिर हैं,जिनमें से दो चंद्रनाथ और दो पार्श्वनाथ को समर्पित हैं।वहाँ की स्वच्छता,शांति और सुंदरता मन को मोह लेने वाली है।मंदिर परिसर के पीछे एक सुरम्य झील है,जो इस स्थल की आध्यात्मिकता को और भी गहरा कर देती है।हल्की फुहारें,पहाड़ी की मनोहारी, हरियाली और वातावरण में व्याप्त शांति-यह सब मिलकर ऐसा अनुभव कराते हैं मानो भगवान महावीर का आशीर्वाद हमें प्राप्त हो रहा हो।यात्रा के अंत में हमने स्थानीय रेस्टोरेंट में स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया और वापस बेंगलुरु लौट आए।हमारे लिए यह यात्रा केवल एक आध्यात्मिक अनुभव नहीं,बल्कि जीवन के मूल्यों,शांति, सह-अस्तित्व और परिश्रम के महत्व की गहरी सीख भी दे गई।

डॉक्टरों के पर्चे : लिखावट पर अदालत की फटकार

डॉ. सत्यवान सौरभ

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने हाल ही में एक ऐसा आदेश दिया है, जो न केवल हरियाणा-पंजाब बल्कि देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गहरी छाप छोड़ेगा।

अदालत ने स्पष्ट कहा कि डॉक्टरों को अब मरीजों की पर्ची साफ लिखनी होगी। बेहतर होगा कि डॉक्टर अपनी लिखावट कैपिटल लेटर्स में करें या फिर टाइप/डिजिटल रूप में पर्ची दें। यह फैसला सिर्फ लिखावट की औपचारिकता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे मरीज की सुरक्षा और जीवन के अधिकार (अनुच्छेद 21) से जुड़ा हुआ है।

भारत में अक्सर यह शिकायत सुनने को मिलती रही है कि डॉक्टरों की लिखावट इतनी उलझी होती है कि फार्मासिस्ट या मरीज को समझ ही नहीं आता कि कौन-सी दवा, कितनी मात्रा में और कितने समय तक लेनी है। ऐसे में गलत दवा या गलत खुराक से मरीज की हालत बिगड़ जाना आम बात है। कई बार तो यह लापरवाही मौत तक का कारण बन चुकी है। यह स्थिति केवल छोटे शहरों या ग्रामीण इलाकों तक सीमित नहीं है। बड़े-बड़े कॉर्पोरेट अस्पतालों में भी प्रिस्क्रिप्शन का यह संकट मौजूद है। लिहाजा हाईकोर्ट का हस्तक्षेप एक जीवन रक्षक पहल के रूप में देखा जाना चाहिए। यह विषय केवल चिकित्सकीय नहीं बल्कि सामाजिक भी है।

ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में अक्सर मरीज कम पढ़े-लिखे होते हैं। जब वे डॉक्टर की पर्ची लेकर दवा की दुकान पर पहुंचते हैं तो उनकी समझ से बाहर होता है कि कौन-सी दवा कितनी बार लेनी है। कई बार दवा विक्रेता भी लिखावट को गलत समझ लेता है। इससे मरीज गलत समय पर दवा खा लेता है, डोज बिगड़ जाती है और बीमारी बढ़ जाती है। यह समस्या गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्ग मरीजों में और भी गंभीर हो जाती है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 हर नागरिक को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है। अदालत ने सही कहा कि मरीज को अपनी बीमारी और इलाज की जानकारी मिलना उसका मौलिक अधिकार है।

यदि प्रिस्क्रिप्शन ही अस्पष्ट और अधूरी जानकारी वाला हो तो यह अधिकार स्वतः ही बाधित होता है। इस संदर्भ में यह आदेश केवल चिकित्सा पद्धति के तकनीकी सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिक अधिकारों के संरक्षण की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है। न्यायालय ने अपने आदेश में यह भी कहा कि जब तक देशभर में ई-प्रिस्क्रिप्शन (कंप्यूटर से बनी पर्ची) की व्यवस्था पूरी तरह लागू नहीं हो जाती, तब तक सभी डॉक्टर कैपिटल लेटर्स में लिखें। यह सुझाव व्यावहारिक भी है और भविष्य की दिशा भी तय करता है। डिजिटल हेल्थ रिकार्ड और ई-प्रिस्क्रिप्शन के कई लाभ हैं मरीज का पूरा मेडिकल इतिहास सुरक्षित रहता है, फार्मासिस्ट को गलतफहमी की गुंजाइश नहीं रहती, दवा कंपनियों और हेल्थ इंश्योरेंस तक पारदर्शिता सुनिश्चित होती है और मरीज चाहे गांव का हो या महानगर का, उसे स्पष्ट जानकारी मिलती है। हाईकोर्ट ने नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) को भी निर्देश दिया है कि मेडिकल कॉलेजों में छात्रों को साफ-सुथरी लिखावट और स्पष्ट प्रिस्क्रिप्शन की ट्रेनिंग दी जाए। यदि मेडिकल शिक्षा के शुरूआती दौर से ही छात्रों को साफ लिखने और स्पष्ट पर्चा देने की आदत डाल दी जाए, तो आने वाले वर्षों में यह समस्या स्वतः ही खत्म हो सकती है। यह सुधार मेडिकल एथिक्स का हिस्सा बनना चाहिए। अदालत ने राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को भी नीति बनाने का निर्देश दिया है। इस नीति के तहत छोटे क्लिनिक और ग्रामीण डॉक्टरों को कंप्यूटर आधारित प्रिस्क्रिप्शन सिस्टम के लिए आर्थिक सहायता दी जा सकती है। जिला स्तर पर सिविल सर्जन की निगरानी में जागरूकता बैठकों का आयोजन किया जाए और स्वास्थ्य विभाग समय-समय पर निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करे कि डॉक्टर पर्चे पढ़ने योग्य लिख रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय अनुभव बताते हैं कि प्रिस्क्रिप्शन की स्पष्टता स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी सुधार लाती है। पश्चिमी देशों में डॉक्टरों द्वारा हाथ से लिखे पर्चे अब लगभग अतीत की बात हो चुके हैं। अमेरिका, यूरोप और जापान में ज्यादातर अस्पतालों और क्लिनिकों में ई-प्रिस्क्रिप्शन ही मानक बन चुका है। भारत में भी ह्यडिजिटल इंडिया मिशनह्ल और ह्यआयुष्मान भारत डिजिटल हेल्थ मिशनह्ल के तहत इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड को बढ़ावा दिया जा रहा है। हाईकोर्ट का आदेश इन पहल को और गति देगा। हालांकि चुनौतियां कम नहीं हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली और इंटरनेट की कमी से डिजिटल व्यवस्था लागू करना कठिन होगा। छोटे क्लिनिकों के लिए कंप्यूटर, प्रिंटर और सॉफ्टवेयर की लागत बड़ी बाधा है। डॉक्टरों पर पहले से ही प्रशासनिक बोझ है, ऐसे में अतिरिक्त प्रशिक्षण और औपचारिकताएं असुविधा पैदा कर सकती हैं। यह भी सही है कि मरीजों की भाषा और समझ अलग-अलग होती है। अतः केवल अंग्रेजी या कैपिटल लेटर्स काफी नहीं होंगे, बल्कि स्थानीय भाषा में भी स्पष्टता जरूरी है। डॉक्टरों की लिखावट अब केवल मजाक या व्यंग्य का विषय नहीं रह गई, बल्कि यह सीधे-सीधे जीवन और मृत्यु का प्रश्न है।

भारत का आर्थिक मंथन और विकास का अमृत

भारतीय सभ्यता में अरसे से यह मान्यता रही है कि कामयाबी से पहले परीक्षा होती है। समुद्र मंथन, जहां मथने की प्रक्रिया से अमृत निकला था, इसी तरह हमारे आर्थिक मंथन ने भी हमेशा ही नवीनता का मार्ग प्रशस्त किया है। वर्ष1991 के संकट से जहां उदारीकरण का जन्म हुआ; वहीं महामारी से डिजिटल उपयोग तेज हुआ। और आज, भारत को एक 'मृत अर्थव्यवस्था' कहने वाले संशयवादियों के शोर-शराबे के बीच - तीव्र विकास, मजबूत बफर, और व्यापक अवसर - की एक तथ्यपरक कहानी उभर कर सामने आई है।

जीडीपी के ताजा आंकड़ों पर जरा गौर करें। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। यह वृद्धि दर पिछली पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह वृद्धि व्यापक है: सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 7.6 प्रतिशत बढ़ा है, जिसमें मैन्यूफैक्चरिंग 7.7 प्रतिशत, निर्माण 7.6 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र लगभग 9.3 प्रतिशत बढ़ा है। नॉमिनल जीडीपी में 8.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह कोई मनमाने तरीके से बताई गई तेजी नहीं है। यह बढ़ते उपभोग, मजबूत निवेश और निरंतर सार्वजनिक पूंजीगत व्यय व पूरी अर्थव्यवस्था में लागत कम करने वाले लॉजिस्टिक्स संबंधी सुधारों से हासिल नतीजों का सबूत है।

भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और सबसे तेज गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है। यह तेजी के मामले में दुनिया की पहली और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं क्रमशः अमेरिका और चीन से भी आगे निकल गई है। वर्तमान गति से, हम इस दशक के अंत तक जर्मनी को पीछे छोड़कर बाजार-विनिमय के संदर्भ में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। हमारी गति वैश्विक स्तर पर मायने रखती है। स्वतंत्र अनुमान बताते हैं कि भारत पहले से ही वैश्विक वृद्धि में 15 प्रतिशत से अधिक का योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री ने एक स्पष्ट लक्ष्य रखा है – सुधारों के मजबूत होने और नई क्षमताओं के सामने आने के साथ-साथ वैश्विक वृद्धि में हमारी हिस्सेदारी बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंचे।

विभिन्न बाजारों और रेटिंग एजेंसियों ने हमारे इस अनुशासन को मान्यता दी है। एसएंडपी ग्लोबल ने मजबूत विकास, मौद्रिक विश्वसनीयता और राजकोषीय सुदृढ़ीकरण का हवाला देते हुए, 18 वर्षों में पहली बार भारत की 'सॉवरेन रेटिंग' को उन्नत किया है। इस अपग्रेड से उधार लेने की लागत कम होती है और निवेशक आधार का विस्तार होता है। यह 'मृत अर्थव्यवस्था' की धारणा को भी झुठलाता है। जोखिम के स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ताओं ने अपनी रेटिंग के साथ अपना मत दिया है।

उतना ही महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि आखिर इस सबका लाभ किसे मिला है। वर्ष 2013-14 और 2022-23 के बीच, 24.82 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबी से बाहर निकल आए हैं। यह बदलाव उन बुनियादी सेवाओं - बैंक खाते, रसोई के लिए स्वच्छ ईंधन, स्वास्थ्य बीमा, नल का जल और प्रत्यक्ष हस्तांतरण - की बड़े पैमाने पर आपूर्ति पर निर्भर है जो गरीबों को विकल्प चुनने का अधिकार देता है। दुनिया के सबसे जीवंत लोकतंत्र और उल्लेखनीय जनसांख्यिकीय चुनौतियों के बीच विकास का यह पैमाना बेहद खास है। विकास का भारत का यह मॉडल आम सहमति के निर्माण, प्रतिस्पर्धी संघवाद और डिजिटल माध्यमों के उपयोग से अंतिम छोर तक सेवा प्रदान करने को महत्व देता है। यह घोषणा के मामले में धीमा, क्रियान्वयन के मामले में तेज और निर्माण की दृष्टि से टिकाऊ है। जब आलोचक हमारी तुलना तेज भागने वाले सत्तावादियों से करते हैं, तो वे इस तथ्य को नजरअंदाज कर देते हैं कि हम मैराथन धावक की तर्ज पर लंबी दूरी तय करने वाली एक अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं।

भारत के पेट्रोलियम मंत्री के रूप में, मैं इस बात की पुष्टि कर सकता हूं कि हमारी ऊर्जा सुरक्षा इस तीव्र विकास में किस प्रकार सहायक की भूमिका निभा रही है। आज, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता, चौथा सबसे बड़ा तेलशोधक (रिफाइनर) और एलएनजी का चौथा सबसे बड़ा आयातक है। हमारी तेलशोधन (रिफाइनिंग) क्षमता 5.2 मिलियन बैरल प्रतिदिन से अधिक है और इस दशक के अंत तक इसे 400 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से आगे बढ़ाने का एक स्पष्ट रोडमैप हमारे पास उपलब्ध है।

भारत की ऊर्जा संबंधी मांग - जो 2047 तक दोगुनी होने का अनुमान है - बढ़ती वैश्विक मांग का लगभग एक-चौथाई हिस्सा होगी, जिससे हमारी सफलता वैश्विक ऊर्जा स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण बन जाएगी। सरकार का दृष्टिकोण सुरक्षा को सुधार के साथ जोड़ने का रहा है। तेल की खोज का क्षेत्र 2021 में तलछटी घाटियों के 8 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 16 प्रतिशत से अधिक हो गया है। हमारा लक्ष्य 2030 तक इसे बढ़ाकर 10 लाख वर्ग किलोमीटर करना है। तथाकथित 'निषिद्ध' (नो-गो) क्षेत्रों में 99 प्रतिशत की भारी कमी ने अपार संभावनाओं को जन्म दिया है, जबकि ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (ओएएलपी) पारदर्शी व प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया सुनिश्चित करती है। गैस मूल्य निर्धारण से संबंधी नए सुधारों - जिनमें कीमतों को भारतीय कच्चे तेल की टोकरी से जोड़ा गया है और गहरे पानी एवं नए कुओं के लिए 20 प्रतिशत प्रीमियम की पेशकश की गई है - ने निवेश को बढ़ावा दिया है।

हमारी ऊर्जा की कहानी सिर्फ हाइड्रोकार्बन की ही नहीं, बल्कि बदलाव की भी कहानी है। वर्ष 2014 में इथेनॉल मिश्रण 1.5 प्रतिशत से बढ़कर आज 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत के बराबर हो गई है और किसानों को सीधे एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान हुआ है। सतत के तहत 300 से ज्यादा संपीड़ित बायोगैस संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिनका लक्ष्य 2028 तक 5 प्रतिशत मिश्रण का है और तेल से जुड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर कुछ जगहों में काफी शोरगुल हुआ है। आइए तथ्यों को इस शोरशराबे से अलग करके देखें। रूस की तेल पर ईरान या वेनेजुएला के कच्चे तेल की तरह कभी प्रतिबंध नहीं लगाया गया। यह जी7/ईयू मूल्य-सीमा प्रणाली के अंतर्गत है जिसे जानबूझकर राजस्व को सीमित रखते हुए तेल प्रवाह को बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया है। ऐसे पैकेजों के 18 दौर हो चुके हैं और भारत ने हरेक दौर का पालन किया है। प्रत्येक लेनदेन में कानूनी लदान (शिपिंग) एवं बीमा, अनुपालन करने वाले व्यापारियों और लेखा-परीक्षण (ऑडिट) किए गए चैनलों का उपयोग किया गया है। हमने कोई नियम नहीं तोड़े हैं। हमने बाजारों को स्थिर किया है और वैश्विक कीमतों को बढ़ने से रोका है।

कुछ आलोचकों का आरोप है कि भारत रूस के तेल के लिए एक 'लौंड्रोमैट' बन गया है। इससे अधिक निराधार बात और कुछ नहीं हो सकती। भारत इस संघर्ष से काफी पहले दशकों से पेट्रोलियम उत्पादों का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक रहा है और हमारे रिफाइनर विश्व भर से इस प्रकार के क्रूड का एक समूह बनाते हैं। निर्यात आपूर्ति श्रृंखलाओं को सक्रिय रखता है। वास्तव में, रूस के कच्चे तेल पर प्रतिबंध लगाने के बाद यूरोप ने भी भारतीय ईंधनों की ओर रुख किया। निर्यात की मात्रा और रिफाइनिंग मार्जिन (जीआरएम) मोटे तौर पर समान ही हैं। मुनाफे लेने का इसमें का कोई सवाल ही नहीं है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में डीएलआरसी एवं डीसीसी की बैठक सम्पन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं जिला सलाहकार समिति की बैठक आहूत की गई। डीएम ने जनपद के ऋण जमा अनुपात (सीडी रेशियो) को बढ़ाने के लिए बैंक समन्वयकों को निर्देशित किया। उन्होंने आगामी तीन माह में सभी बैंक कितना कितना सीडी रेशियों बढ़ाएंगे की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देशित किया कि बैंक शासकीय योजनाओं में ऋण देने में दिलचस्पी दिखाएं। उन्होने निर्देश दिया कि बैठक से एक सप्ताह पहले सभी लम्बित प्रकरणों को संबंधित बैंक को भेजना सुनिश्चित करें, जिससे बैठक से पूर्व उनका निस्तारण हो सके। उन्होने कहा कि सभी बैंक सकारात्मकता से कार्य कर परिणाम देने वाले बनें। जिलाधिकारी ने कहा कि बैंकों द्वारा दिये गये छोटे-छोटे ऋण से ही आमजन की आर्थिक समृद्धि आएगी जिससे हम अपने आर्थिक उन्नति के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे। केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ शासन की मंशा के अनुरूप लाभार्थियों को दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होने बैंक प्रतिनिधियों से योजनाओं के लिए दिये गये आवेदनों के सापेक्ष लंबित आवेदनों पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होने सख्त निर्देश दिए कि लोन संबंधी पत्रावलियों को अनावश्यक रूप से लम्बित न रखा जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि फार्म क्रेडिट, कृषि, हाउसिंग और शिक्षा से संबंधित लोन को बढ़ाने के लिए प्रयास करते हुए बढ़ाया जाए और लक्ष्य प्राप्त किया जाए। सीएम युवा योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि यह सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इस पर फोकस करते हुए अधिक से अधिक पात्र युवाओं को योजना से लाभान्वित करने का कार्य करें। सभी बैंक योजना के अंतर्गत ब्रांचवाइज निर्धारित लक्ष्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। जो ऋण पत्रावली स्वीकृत हो गई हैं उनको शीघ्रता से ऋण वितरित कराने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, क्षेत्राधिकारी नगर शक्ति सिंह, आरबीआई प्रतिनिधि नितिन कुमार, एलडीएम उमेश प्रजापति सहित सभी बैंकों के प्रतिनिधि एवं सबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

साइबर क्राइम के शिकार हुए युवक को पुलिस ने वापस कराए रुपए, युवक ने जताया आभार

अमरोहा (सब का सपना):- एक व्यक्ति के बैंक खाते से अज्ञात व्यक्ति द्वारा धोखाधडी कर 30,000/- रुपयें ट्रांसफर कर लेने पर थाना मण्डी धनौरा साइबर सैल व थाना साइबर क्राइम टीम ने पीड़ित के बैंक खाते में रुपए वापस कराये, पीडित द्वारा पुलिस का आभार प्रकट किया गया । प्रार्थी रविकान्त यादव पुत्र वीरेन्द्र कुमार नि0 ग्राम ताजपुर थाना मण्डी धनौरा जनपद अमरोहा के द्वारा दिनांक 29.05.2025 को साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज की गई थी कि वादी के खाते से अज्ञात व्यक्ति द्वारा धोखाधडी कर 30,000/- रुपयें ट्रांसफर/निकाल लिये गए हैं ।जिसके बाद पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना मण्डी धनौरा साइबर सैल व थाना साइबर क्राइम टीम को अग्रिम कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था। जिसके बाद पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी धनौरा के नेतृत्व में तत्काल कार्यवाही करते हुये थाना मण्डी धनौरा साइबर सैल व साइबर सैल अमरोहा की टीम के द्वारा प्रकरण में आवेदक/वादी से धोखाधडी कर ट्रांसफर हुये कुल 30,000/- रुपयें पीडित के बैंक खाते में दिनांक 24.08.2025 को वापस कराये गये रुपएं वापस पाकर वादी ने खुशी का इजहार करते हुये थाना मण्डी धनौरा कार्यालय आकर अमरोहा पुलिस को धन्यवाद कहा और पुलिस अधीक्षक व थाना साइबर क्राइम टीम की भूरी-भूरी प्रंशसा की । पुलिस द्वारा आम जनमानस से अपील की जाती है कि अपने खाते से सम्बंधित या अन्य ओ.टी.पी./ पासवर्ड आदि व्यक्तिगत/गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें तथा लुभावने ऑफर आदि को बिना जाँचे परखे किसी लिंक या एप्लीकेशन पर भुगतान न करें, यह ऑनलाइन धोखाधड़ी का तरीका हो सकता है । आप स्वयं जागरुक रहे तथा अपने आस-पास के अधिक से अधिक लोगों में यह जानकारी साझा करें जिससे किसी भी व्यक्ति के साथ धोखाधडी न हो सके ।

खोया हुआ मोबाइल वापस पाकर खिला व्यक्ति का चेहरा

अमरोहा (सब का सपना):- एक व्यक्ति द्वारा मोबाइल खो जाने पर थाने पर सूचना दी गई। थाने पर नियुक्त टीम द्वारा खोए हुए मोबाइल को बरामद कर वादी को सकुशल लौटाया गया। आपको बता दे कि प्रार्थी मेघराज पुत्र राम अवतार निवासी ग्राम रखेड़ा थाना हसनपुर जनपद अमरोहा के द्वारा 05.03.2025 को थाने पर शिकायत दर्ज कराई गई थी कि वादी का मोबाइल वीवो ३३ 5ऋकहीं गुम हो गया है। जिसके बाद पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना हसनपुर साइबर सैल व साइबर सैल अमरोहा की टीम के द्वारा उक्त प्रकरण में आवेदक/वादी मेघराज उपरोक्त का गुम हुआ मोबाइल वीवो ३३ 5ऋ दिनांक 02.09.2025 को सकुशल वादी को बरामद कराया गया। मोबाइल वापस पाकर वादी ने खुशी का इजहार करते हुये थाना हसनपुर कार्यालय आकर अमरोहा पुलिस को धन्यवाद कहा। पुलिस द्वारा आम जनमानस से अपील की जाती है कि अपने खाते से सम्बंधित या अन्य ओ.टी.पी./ पासवर्ड आदि व्यक्तिगत/गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें तथा लुभावने ऑफर आदि को बिना जाँचे परखे किसी लिंक या एप्लीकेशन पर भुगतान न करें, यह ऑनलाइन धोखाधड़ी का तरीका हो सकता है । आप स्वयं जागरुक रहे तथा अपने आस-पास के अधिक से अधिक लोगों में यह जानकारी साझा करें जिससे किसी भी व्यक्ति के साथ धोखाधडी न हो सके ।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत सीएलएफ वितरण कैंप का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के विकासखंड जोया कार्यालय सभागार में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत सीएलएफ वितरण कैंप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र मौजूद रहे। इस दौरान सीडीओ ने मां सरस्वती की स्मृति पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कैंप में उपस्थित समूह सखियों, बैंक सखियों स्वास्थ्य सखियों, बी.सी सखियों, विद्युत सखियों ग्राम संगठनों के पदाधिकारी द्वारा सी.एल.एफ के पदाधिकारी को मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिशन ने स्वयं सहायता समूह की समस्त दीदियों को कोई ना कोई आजीविका से जोड़कर उनकी आमदनी बढ़ाने एवं लखपति दीदी बनाना है। मुख्य विकास अधिकारी ने निष्कृत्य पदाधिकारी को एक सप्ताह के अंदर बदलने का निर्देश दिया है। एवं सभी पदाधिकारी को पूर्ण निष्ठा एवं लगन से कार्य करने का निर्देश दिए गए है। बैठक में उपस्थित जिला अग्रणी प्रबंधक ने बताया है कि आप आत्मनिर्भर बनने के लिए कोई न कोई आजीविका अपनाए। और इस कार्य को करने में बैंक आपके साथ हैं। यदि किसी बैंक से आपकी कोई समस्या आती है तो अवगत कराए, जिसके बाद आपकी समस्या का समाधान किया जाएगा। बैठक में सी.एल.एफ स्वीकृत एवं वितरण करने में अच्छा कार्य करने वाली तीन बैंक सखियों असरजहां, आंचल, चंचल चौधरी को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार सी.एल.एफ वितरण में अच्छा कार्य करने वाले उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक पपसरा के शाखा प्रबंधक जितेंद्र सिंह, उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक कपासी के शाखा प्रबंधक अरुण गोस्वामी, उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक पथकोई खालसा के शाखा प्रबंधक शम्भू दयाल मीणा एवं उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक मानकजुड़ी के शाखा प्रबंधक दीपक गर्ग को सम्मानित किया गया। सीएलएफ कैंप में उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक एवं केनरा बैंक द्वारा कुल 127 स्वयं सहायता समूह को सीएलएफ का वितरण किया गया। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी ने सभी दीदियों को आजीविका से जोड़ने एवं बैंक के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने का सुझाव दिया। खंड विकास अधिकारी ने विभिन्न बैंकों के उपस्थित शाखा प्रबंधकों से समूह की दीदी के लिए प्रति नरम व्यवहार एवं दृष्टिकोण रखने का सुझाव दिया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, साथ ही ब्लॉक के समस्त अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

शिव एवं शक्ति की अद्भुत लीलाओं पंडित नवीन शास्त्री नौटियाल ने किया वर्णन

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- प्राचीन रियासत मंदिर में चल रही है शिवपुराण कथा के चौथे दिन मंगलवार को कथा वाचक पंडित नवीन शास्त्री नौटियाल ने कहा कि शिव पुराण में शिव और सती के विवाह का वर्णन एक प्रमुख कथा है। नौटियाल ने बताया कि राजा दक्ष की पुत्री सती भगवान शिव से प्रेम करती थी और उनसे विवाह करना चाहती थीं। शिव भी सती से विवाह करना चाहते थे, लेकिन दक्ष इस विवाह के खिलाफ थे। उन्होंने इस प्रसंग को सुनाते हुए कहा कि कैसे सती ने शिव से विवाह करने के लिए कैलाश पर्वत पर तपस्या की। शिव ने सती की तपस्या से प्रसन्न होकर उनसे विवाह करने का निर्णय लिया। नवीन शास्त्री ने भगवान शिव और माता सती के विवाह को कथा सुनाते हुए कहा कि पुराणों के अनुसार भगवान ब्रह्मा के मानस पुत्रों में से एक प्रजापति दक्ष कश्मीर घाटी के हिमालय क्षेत्र में रहते थे। प्रजापति दक्ष की दो पत्नियां थी, प्रसूति और वीरणी। प्रसूति से दक्ष की चौबीस कन्याएं जन्मी और वीरणी से साठ कन्याएं। राजा दक्ष की पुत्री 'सती' की माता का नाम था प्रसूति। प्रसूति स्वायंभुव मनु की तीसरी पुत्री थी। सती ने भगवान शिव से विवाह किया। मां सती ने एक दिन कैलाशवासी शिव के दर्शन किए और उनको भगवान शिव से प्रेम हो गया । लेकिन ब्रम्हा जी के समझाने उपरांत सप्रजापति दक्ष की इच्छा से सती ने भगवान शिव से विवाह किया । दक्ष ने एक विराट यज्ञ का आयोजन किया लेकिन उन्होंने अपने दामाद और पुत्री को यज्ञ में निमंत्रण नहीं भेजा। फिर भी सती अपने पिता के यज्ञ में पहुंच गई। दक्ष ने पुत्री के आने पर उपेक्षा का भाव प्रकट किया और शिव के विषय में सती के सामने ही अपमानजनक बातें कही। सती बर्दाश्त नहीं कर पाई और इस अपमान की कुंठावश उन्होंने वहीं यज्ञ कुंड में कूद कर अपने प्राण त्याग दिए। यह खबर सुनते ही शिव ने वीरभद्र को भेजा, जिसने दक्ष का सिर काट दिया। इसके बाद दुखी होकर सती के शरीर को अपने सिर पर धारण कर शिव ने तांडव नृत्य किया। पृथ्वी समेत तीनों लोकों को व्याकुल देख कर भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र द्वारा सती के शरीर के टुकड़े करने शुरू कर दिए। इस तरह सती के शरीर का जो हिस्सा और धारण किए आभूषण जहां जहां गिरे वहां-वहां शक्तिपीठ अस्तित्व में आ गए। कथा के दौरान माहौल शिव भक्ति से सराबोर हो गया, जहां शिव भक्ति के भजनों ने भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। कथा के समापन पर आरती की गई और उसके बाद प्रसाद बांटा गया। कथा में रमेश चंद्र गुप्ता, मन्नत बंसल, दीपक बंसल, सौरभ अग्रवाल गिरीश चंद्र अग्रवाल करुणेश गोयल विजय चतुर्वेदी, जागेश्वर प्रसाद गोयल, नीरज अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, मुक्ता अग्रवाल, नीतू अग्रवाल, प्रतिभा खंडेलवाल, शशि खंडेलवाल आदि सैकड़ो भक्त मौजूद रहे।

अमरोहा में लेखपाल की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की नौगांवा सादत तहसील में तैनात लेखपाल केशव सरन की एक सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा मंगलवार सुबह उस समय हुआ, जब केशव सरन अपनी बाइक पर सवार होकर नौगांवा सादत से अमरोहा की ओर जा रहे थे। हादसे की खबर से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई, और प्रशासनिक हलकों में भी हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, केशव सरन, जो मूल रूप से फतेहपुर जिले के सलेमपुर कनेरा, पोस्ट ऑफिस कोह, तहसील बिन्दवी के निवासी थे, अपनी ड्यूटी के सिलसिले में अमरोहा जा रहे थे। सुबह करीब 9 बजे, जब वह बादशाहपुर सड़क से गुजर रहे थे, उनकी बाइक एक खड़े घोड़ा तांगे से टकरा गई। यह टक्कर इतनी जोरदार थी कि केशव सरन गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना तुरंत स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस की 112 नंबर की गाड़ी मौके पर पहुंची और घायल लेखपाल को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया। लेकिन हादसे की गंभीरता इतनी थी कि अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही केशव सरन ने दम तोड़ दिया। उनकी मृत्यु की खबर सुनते ही उनके परिवार और सहकर्मियों में शोक की लहर फैल गई। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि हादसा घोड़ा तांगे के सड़क पर खड़े होने के कारण हुआ। पुलिस हादसे के सटीक कारणों की जांच कर रही है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है। यह हादसा सड़क पर लापरवाही और सुरक्षा नियमों की अनदेखी का एक दुखद उदाहरण है। प्रशासन से अपेक्षा है कि भविष्य में ऐसे हादसों को रोकने के लिए प्रभावी उपाय किए जाएंगे।

अपर पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा केन्द्रों का किया निरीक्षण, संबंधित को दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- आगामी PET परीक्षा को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया द्वारा जनपद के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व यातायात संबंधी तैयारियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा केन्द्रों की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक केन्द्र पर सुरक्षा व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रखी जाए और परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने यातायात व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की बात कही ताकि परीक्षार्थी सुगमता से परीक्षा केन्द्र तक पहुँच सकें। इस हेतु मुख्य मार्गों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों पर भी पुलिस बल को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अमरोहा पुलिस परीक्षार्थियों को एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

महिला कल्याण विभाग द्वारा संकल्पः हब इम्पावरमेन्ट ऑफ वूमेन योजना के अन्तर्गत 10 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- महिला कल्याण विभाग द्वारा संकल्पः हब इम्पावरमेन्ट ऑफ वूमेन योजना के अन्तर्गत दिनांक 02.09.2025 से 12.09.2025 तक 10 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। उक्त के क्रम में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के आदेशों के अनुपालन में तथा मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह महोदय के दिशा निदेर्शानुसार जनपद अमरोहा में हब इम्पावरमेन्ट ऑफ वूमेन (HEW) की गातिविधि Special Awareness and capacity –buliding Sessions on all women & centric Schemes and Policies पर मंगलवार को ब्लॉक जोया, ग्राम कैलसा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कैम्प के अन्तर्गत महिलाओं/बालिकाओं को अवगत कराया गया कि समाज में सामाजिक बुराई दहेज प्रथा पर रोक लगे तो लिंगानुपात के अन्तर को खत्म किया जा सकता है। समाज मे इन कुप्रथा के चलते बेटियों को बोझ समझा जाता है। ऐसे में लोगो को अपनी सोच में बदलाव लाना चाहिए । सरकार इस कुप्रा को खत्म करने के लिए सख्ती से कानून भी बना रही है। बेटियां बेटो की अपेक्षा ज्यादा भावात्मक होती है। परिवार को चलाने के साथ साथ वंश को भी आगे बढाती है। इसलिए बेटियों को भी परिवार की खुशियों का हिस्सा मानना चाहिए। महिलाओं के बिना हमारे देश की उन्नति नही हो सकती । महिलाओं की स्थिति गिरती जा रही है इसका कारण पुरूष और महिलाओं मे किए जाए रहे भेदभाव है। हमारी सरकार महिलाओ को लेकर बहुत गम्भीर है एवं महिलाओं को साइबर क्राइम से बचाव के बारे मे भी जानकारी दी गयी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला जिसमे योजना की बढ़ाई गई धनराशि के बारे मे एवं स्पॉन्सरशिप योजना, निराश्रित पेंशन योजना एवं वन स्टाप सेंटर तथा चाइल्ड हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली एवं वहां प्राप्त होने वाली सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ में 18 वर्ष से कम उम्र के बालक व बालिकाओं के साथ हों रही यौन हिंसा से बचने व उनकी शिकायत करने एवं अपनी बात खुलकर रखने के बारे में जानकारी दी गई और उनके अधिकारों के बारे में बताया गया। सरकार द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबर 1098, 181, 1090, 112, 1076 की जानकारी भी प्रदान की गई। दहेज प्रथा को समाप्त करने, ,बाल श्रम को रोकने के लिए सभी को जागरूक किया गया। वह सुविधा दे। इस अवसर पर, हब इम्पावरमेन्ट ऑफ वूमेन (HEW) के कार्मिक कु0 ललिता, जेण्डर विशेषज्ञ एवं सखी वन स्टॉप सेन्टर की ममता दुबे, सेन्टर मैनेजर, मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता, करूणा निधि, एवं नरेन्द्र पाल एवं ग्राम प्रधान, आदि उपस्थित रहे।

चंदौसी में भूमानंद ट्रस्ट द्वारा 1168वां सुंदरकांड पाठ संपन्न

चंदौसी/संभल (सब का सपना) बबलू सैफी:- भूमानंद ट्रस्ट, चंदौसी के तत्वावधान में ब्रज धाम कॉलोनी, चंदौसी में रमेश चंद शर्मा के आवास पर 1168वां संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत पूजा-अर्चना के साथ गणेश वंदना और सरस्वती वंदना से हुई। इसके बाद सुंदरकांड की चौपाइयों का लयबद्ध पाठ शुरू किया गया। पाठ के दौरान भजनों की मधुर प्रस्तुति ने समां बांध दिया। केजी शर्मा ने राम जानकी बैठे हैं सीने मे राजीव शर्मा ने छम छम नाचे देखो वीर हनुमाना रमेश ग्रेवाल ने वीर हनुमाना अति बलवाना, राम राम सुनाएं रसिया रे और सुदर्शन जी ने सांवली सूरत पे मोहन दिल दीवाना हो गया जैसे भजनों की प्रस्तुति दी। इन भजनों की मधुर धुनों पर उपस्थित महिला और पुरुष भक्त नृत्य करने को मजबूर हो गए। कार्यक्रम के अंत में हनुमान चालीसा का पाठ किया गया, जिसके बाद आरती और प्रसाद वितरण के साथ समापन हुआ। इस अवसर पर केजी शर्मा, रमेश चंद शर्मा, राजीव शर्मा, रमेश ग्रेवाल, बृजेश कुमार, सुदर्शन जी, कल्पना, दीनदयाल, राधा, रागिनी, गुंजन सहित अनेक भक्त उपस्थित रहे। यह आयोजन भक्तों के बीच भक्ति और उत्साह का संचार करने में सफल रहा।

श्री गणेश मेला परिषद ने दिवंगत कांस्टेबल को दी श्रद्धांजलि

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- श्री गणेश मेला परिषद चंदौसी ने एक शोक सभा सीता रोड़ स्थित गणेश मंदिर परिसर में सम्पन्न की। जिसमें हाल में ही बारिश के कारण जलभराव में नाले में गिरकर पुलिस कांस्टेबल स्व. रजनीश कुमार की मृत्यु हो गई थी। बैठक में दिवंगत कांस्टेबल की आत्मा की शांति के लिए सभी पदाधिकारियों ने २ मिनट का मौन धारण रखा गया तथा उनके परिवार को इस दुखद घड़ी में सहन शक्ति प्रदान करने के लिए भगवान से प्रार्थना की। तत्पश्चात सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने रजनीश कुमार के फोटो पर पुष्प अर्पित किए। इस घटना को देखते हुए मेले की रोशनी बंद रखी गई। इस दौरान हरिगोपाल, ललित किशोर गुप्ता, सुधीर गुप्ता, रावेंद्र कुमार, मनोज कुमार मीनू, डॉ राजीव कुमार, शशिकांत गुप्ता, लोकेंद्र शर्मा, प्रजीत लालू, सतेंद्र मामा, डॉ शेखर गुप्ता, सचिन, प्रतीक किट्ठू, प्रमोद गुरु एवं मंदिर पर तैनात सभी पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

छात्रवृत्ति आवेदन की अंतिम तिथि 07 सितम्बर 2025

संभल (सब का सपना):- सरकार द्वारा छात्र/छात्राओं के हित के लिए वर्ष 2025 में 02 अक्टूबर गॉधी जयंती के अवसर पर सभी ऐसे छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति से लाभान्वित करने का निर्णय लिया है जिनकें नवीनीकरण एवं फ्रेश छात्रवृत्ति आवेदन पत्रों को फाइनल सब्मिट करते हुए शिक्षण संस्थान के स्तर से अग्रसारित कर दिया जायेगा। शासन द्वारा छात्र/छात्राओं के बेहतर भविष्य के लिए मुख्य सचिव के स्तर से प्रदेश के समस्त जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से 28 अगस्त 2025 को बैठक की गयी थी जिसमें सम्बन्धित समस्त अधिकारियों को अनिवार्य रूप से इस दिशा में कार्य करने हेतु दिशा-निर्देश दिये गये थे। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी/जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार द्वारा समस्त छात्र/छात्राओं से यह अपेक्षा की गयी है कि ऐसे छात्र/छात्राऐं जिन्हें सरकार द्वारा वर्ष 2024-25 में छात्रवृत्ति प्रदान की गयी थी वह अनिवार्य रूप से तीन दिवस के भीतर अपने नवीनीकरण के आवेदन को फाइनल सब्मिट करते हुए अपने शिक्षण संस्थान में नियुक्त छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी के माध्यम से अपने छात्रवृत्ति आवेदन को अग्रेत्तर कार्यवाही हेतु अग्रसारित कराना सुनिश्चित करें, जिससे जनपद स्तर से समयान्तर्गत कार्यवाही करते हुए उन्हें छात्रवृत्ति का लाभ दिया जा सके। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी/जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार द्वारा यह भी बताया गया गया कि यह योजना मेरिट बेस्ड आधारित योजना है और जिन छात्र/छात्राओं द्वारा 07 सितम्बर से पहले अपने छात्रवृत्ति आवेदन फार्म को स्वयं के स्तर से फाइनल सब्मिट करते हुए शिक्षण संस्थान के स्तर से अग्रसारित करा दिया जायेगा उन्हें शत-प्रतिशत छात्रवृत्ति से 02 अक्टूबर गॉधी जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री की उपस्थिति में लाभान्वित किया जायेगा।

डीएम और एसपी ने पुलिया और नालों का किया स्थलीय निरीक्षण

खुले नालों को जाल से ढकबाया जाए... जिलाधिकारी

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने नगर पालिका चंदौसी क्षेत्र के सीकरी गेट की पुलिया, सुभाष रोड, और गौशाला रोड पर बारिश के मद्देनजर नालों और पुलियाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जलभराव और सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पुलियाओं के किनारे सुरक्षा के लिए आड़ की व्यवस्था की जाए और नालों को जाल से ढकवाया जाए, ताकि उनकी नियमित सफाई सुनिश्चित हो सके। उन्होंने उप जिलाधिकारी चंदौसी को नगर क्षेत्र में नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी के साथ पैदल भ्रमण कर नालों, नालियों, और सड़कों की स्थिति का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। साथ ही, यह सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी नाला खुला न रहे और उनकी सफाई समय पर हो। यह कदम बारिश के मौसम में जलभराव और सुरक्षा संबंधी समस्याओं को रोकने के लिए उठाया गया है, ताकि स्थानीय निवासियों को किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी, नायब तहसीलदार, नगर पालिका चंदौसी अध्यक्ष लता वाष्णेय, और अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

एबीवीपी कार्यकताओं ने लखनऊ में हुए लाठीचार्ज के विरोध में किया प्रदर्शन

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) कार्यकताओं ने लखनऊ में हुए लाठीचार्ज के विरोध में शास्त्री चौक पर जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया और पुलिस कार्रवाई को अनुचित बताते हुए दोषी पुलिसकर्मियों के निलंबन की मांग की। श्रीरामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय लखनऊ में अवैध वसूली और भ्रष्टाचार के खिलाफ एबीवीपी कार्यकताओं ने हाल ही में शांतिपूर्ण आंदोलन किया था। इसी दौरान पुलिस ने कार्यकताओं पर लाठीचार्ज कर दिया, जिसकी तीखी प्रतिक्रिया पूरे प्रदेश में देखने को मिल रही है। बिजनौर में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान एबीवीपी के प्रांत मंत्री सुधांशु चहल ने कहा कि छात्रों की जायज आवाज को दबाने के लिए पुलिस ने बर्बरतापूर्ण कार्रवाई की है। उन्होंने लाठीचार्ज को पूरी तरह अनुचित बताया और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन में शैलेंद्र सिंह, भास्कर शर्मा, प्रवेश राजपूत, आशु, अनमोल, अजय, दीपांशु, वंश, लव, सक्षम, क्रश और देसू समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकताओं ने जोरदार नारेबाजी करते हुए सरकार और पुलिस प्रशासन के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया।

नगर पालिका बहजोई में बोर्ड मीटिंग का आयोजन किया गया

टूटी सड़कों, साफ-सफाई और प्रकाश व्यवस्था पर हुई गहन चर्चा

बहजोई/संभल(सब का सपना) अफसर अली:- नगर पालिका परिषद बहजोई में नगर पालिका अध्यक्ष राजेश शंकर राजू की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बोर्ड मीटिंग का आयोजन किया गया। इस मीटिंग में नगर के विकास और जनसुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। मीटिंग में सभासदों ने नगर के मुख्य मार्गों और गलियों में टूटी सड़कों के निर्माण कार्य को प्राथमिकता देने की मांग उठाई। इसके साथ ही, नगर की साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। सभासदों ने सुझाव दिया कि नियमित सफाई अभियान चलाए जाएं और कचरा निस्तारण की व्यवस्था को मजबूत किया जाए। नगर की प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए भी गहन विचार-विमर्श हुआ। सभासदों ने कई क्षेत्रों में खराब स्ट्रीट लाइट्स और अपर्याप्त प्रकाश की समस्या को उठाया, जिसके समाधान के लिए त्वरित कदम उठाने का निर्णय लिया गया। नगर पालिका अध्यक्ष राजेश शंकर राजू ने सभी सभासदों के सुझावों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन समस्याओं के समाधान के लिए तत्काल कार्य योजना तैयार की जाए। उन्होंने आश्वासन दिया कि नगर के विकास और नागरिकों की सुविधा के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। मीटिंग में उपस्थित सभासदों ने एकजुट होकर नगर के विकास के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया। यह मीटिंग नगर पालिका बहजोई के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

कलेक्ट्रेट सभागार में कृषक उत्पादन संगठन (FPO) के साथ बैठक का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में कृषक उत्पादन संगठन (FPO) के साथ बैठक संपन्न हुई। जिसमें जनपद के 32 FPO शामिल हुए। बैठक में कृषक उत्पादन संगठन की प्रगति की जानकारी ली गई और भविष्य की योजना के बारे में जाना गया। जिलाधिकारी द्वारा FPO को वैल्यू एडीशन करने तथा नजदीक उपलब्ध मार्केट आधारित उत्पादों को बढ़ाने पर जोर दिया गया। इसके साथ मिलेट्स के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए लाभ सभी को बताए गए। प्रशिक्षण दिया गया तथा मिलेट्स की खेती के विस्तार पर प्रकाश डाला गया और fpo द्वारा बीज उत्पादन के क्षेत्र में भूमिका विषय पर भी वार्ता हुई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, पीडी डीआरडीए अम्बरीष कुमार, उपनिदेशक कृषि डॉ0 रामप्रवेश, जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार सहित एफपीओ से जुड़े किसान भाई उपस्थित रहे।

फैज गर्ल्स इंटर कॉलेज में मेधावी छात्र छात्राओं को किया गया सम्मानित

संभल(सब का सपना):- जनपद के सरायतरीन, मंगलपुरा स्थित फैज गर्ल्स इंटर कॉलेज मे भव्य समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें उन छात्र छात्राओ को सम्मानित किया गया। जिन्होंने शैक्षणिक सत्र 2024-2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

यह समारोह छात्रों के परिश्रम, समर्पण और सफलता का सम्मान करने के लिए आयोजित किया गया था। समारोह के मुख्य अतिथि अविनाश चंद्र सेठ, [पूर्व निदेशक, श्रम-रोजगार उप्र सरकार], और विशेष अतिथि दिनेश कुमार, [चौकी प्रभारी, सरायतरींन] थे। दोनों गणमान्य व्यक्तियों ने अपने प्रेरणादायक शब्दों से छात्रों का मार्गदर्शन किया और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम का आरंभ कॉलेज प्रबंधक कलीम अशरफ द्वारा स्वागत भाषण से हुआ, जिन्होंने सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों और छात्राओं के अभिभावकों का अभिनंदन किया। उन्होंने बताया कि अशोक गुप्ता मेमोरियल छात्रवृत्ति का उद्देश्य छात्राओं में आत्मविश्वास तथा शिक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करना है। अविनाश चन्द्र के सुपुत्र अमित कुमार, (चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, एयर इंडिया एसेट्स होल्डिंग) के द्वारा कई सालों से निरंतर यह छात्रवृत्ति कॉलेज के मेधावी छात्राओं को दी जा रही है। मुख्य अतिथि अविनाश चंद्र सेठ ने अपने संबोधन में कहा, "शिक्षा ही सफलता की कुंजी है। आज जिन छात्राओं को सम्मानित किया गया है, वे न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे समाज के लिए गौरव का विषय हैं।" उन्होंने छात्राओं को निरंतर सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विशेष अतिथि दिनेश कुमार ने छात्राओं की मेहनत की सराहना करते हुए कहा, "यह सम्मान सिर्फ एक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। आप सभी को अपने ज्ञान का उपयोग समाज की भलाई के लिए करना चाहिए।" अतिथि डॉ. शहजाद अहमद ने अपने संबोधन में कहा शिक्षा वह शक्ति है जो हर व्यक्ति को सशक्त बनाती है। आज जिन छात्राओं को सम्मानित किया गया है, वे हमारे समाज के भविष्य की नींव हैं। उन्होंने छात्राओं को सिर्फ किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर, व्यवहारिक और नैतिक मूल्यों को भी अपनाने की सलाह दी। बसंत कुमार, सरायतरीन चौकी ने छात्राओं की सफलता पर बधाई देते हुए कहा, यह सम्मान सिर्फ आपकी एक उपलब्धि नहीं है, बल्कि आपके माता-पिता और शिक्षकों की कड़ी मेहनत का भी फल है। उन्होंने छात्राओं को अपने लक्ष्यों के प्रति हमेशा समर्पित रहने की प्रेरणा दी। इस समारोह में अध्यक्ष के रूप में उर्दू के प्रख्यात शायर और साहित्यकार सुल्तान मुहम्मद खान कलीम ने अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराई। सुल्तान मुहम्मद खान कलीम ने अपने संबोधन में छात्राओं की मेहनत और लगन की सराहना की। उन्होंने कहा शिक्षा ही वह नींव है जिस पर एक मजबूत और समृद्ध समाज का निर्माण होता है। मैं इन सभी मेधावी छात्राओं को उनकी सफलता के लिए बधाई देता हूँ और उन्हें भविष्य में भी इसी तरह मेहनत करते रहने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ। उन्होंने अपनी शायरी के माध्यम से भी छात्राओं में जोश और प्रेरणा का संचार किया। उनका संबोधन न केवल प्रेरणादायक था, बल्कि इसमें जीवन के महत्वपूर्ण मूल्यों और चुनौतियों का भी जिक्र था, जिसने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह में उन सभी छात्राओं को धनराशि देकर सम्मानित किया गया। जिन्होंने कक्षा 9 से लेकर 12 तक की परीक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए हैं। कॉलेज के प्रिंसिपल जहाँआरा तबस्सुम ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और शिक्षकों का धन्यवाद किया और छात्रों को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन सुशील कुमार ने किया। इस मौके पर मौलाना फैजान अशरफ, मौलाना महबूब मिस्बाही, मुहम्मद नाज़िर, मुहम्मद आरिफ सभासद, हाजी नूरइलाही, हाजी शराफत, हाजी शहादत, हाजी मरगूब, हाजी उमर, मुहम्मद इमरान, नाज़िम, अनुराधा, सुल्ताना, नफीस, तखलीक, मेराज, इकराम, इकरा, नबीहा, सुबहाना, सानिया, नेहा, स्वलेहा के अलावा मेधावी छात्राओं के अभिभावक मौजूद रहे।

नव नियुक्त मुख्य सेविकाओं की जनपदों में मनचाही नियुक्ति के लिए शासन ने ऑन लाइन विकल्प मांगे

हापुड़ (सब का सपना):- बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग में नवनियुक्त मुख्य सेविकाओं की नियुक्ति के लिए शासन ने ऑनलाइन विकल्प मांगे ताकि उनकी मनचाही नियुक्ति हो सके। ऑनलाइन विकल्प लेकर उनकी जनपदों में तैनाती प्रदान किया जाना है। चयनित मुख्य सेविकाओं की जनपदों में तैनाती हेतु उनके द्वारा जनपदो की वरीयताएं प्रस्तुत करने हेतु विभाग द्वारा ऑनलाइन पोर्टल लिंक https://icdspreference.upsdc.gov.in/ विकसित किया गया है। विभाग द्वारा पोर्टल दिनांक 07.09.2025 को रात्रि 12 बजे के मध्य तक संचालित किया जायेगा। पोर्टल लिंक ऑनलाइन भरे जाने हेतु अभ्यर्थियों को विकल्प https://icdsprefer-ence.upsdc.gov.in पर जाना होगा, जिसे उनके द्वारा मोबाईल नम्बर पर प्राप्त ओटीपी के माध्यम से लॉगिन किया जायेगा। सफल लॉगिन पर मुख्य सेविकाओं को पोर्टल पर विभाग द्वारा उपलब्ध रिक्तियों हेतु निर्धारित जनपद के लिए वरीयता चुनकर उसे भरना होगा। पोर्टल पर उपलब्ध सभी जनपदों की वरीयताएं भरना अनिवार्य है। सभी जनपदों की वरीयताएं सफलतापूर्वक भरने के बाद संबंधित के मोबाइल नम्बर पर पुष्टिकरण हेतु रटर भी प्राप्त होगा। अभ्यर्थियों को जनपदों का आवंटन परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर निर्धारित उनकी मेरिट के अनुसार होगा। पोर्टल पर विकल्पों को लॉक करने से पहले चयनित जनपद की वरीयताओं को संशोधित करने का विकल्प भी होगा। वरीयताएं लॉक होने के बाद पोर्टल में कोई और बदलाव नहीं किया जा सकेगा। वरीयताएं लॉक होने के बाद, मुख्य सेविकाओं के पास पोर्टल पर दर्ज किये गये विवरण के अनुसार जनपद वरीयता फॉर्म की एक प्रति प्रिंट करने का विकल्प भी होगा।

दिल्ली में घरों में घुसा बाढ़ का पानी, सीएम रेखा गुप्ता ने लिया हालात का जायजा

दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है जिससे कई इलाकों में बाढ़ का पानी घरों में घुस गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गीता कॉलोनी में राहत शिविरों का जायजा लिया और लोगों की समस्याओं को जाना।

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में पल-पल यमुना नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। यमुना का पानी मंगलवार दोपहर को खतरे के निशान को पार कर 205.90 मीटर पहुंच गया। यमुना की उफान से यमुना खादर सहित राजधानी के कई इलाकों में बाढ़ का पानी लोगों के घरों तक पहुंच गया है। इस स्थिति को देखते हुए लोगों को घरों से राहत शिविर में पहुंचाया गया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार दोपहर को गीता कॉलोनी में यमुना पुल पर बाढ़ की तैयारियों का जायजा लिया और राहत शिविर में पहुंचकर लोगों से बात कर उनकी समस्या जानी इस दौरान उन्होंने जिलाधिकारी ऋषिता गुप्ता व सिंचाई विभाग के अधिकारियों से बात की। इसके बाद सीएम यहां से यमुना बाजार पहुंचीं और वहां के हालात का जायजा लिया। फरीदाबाद में 82 हजार 247 क्यूसेक पहुंचा यमुना का जलस्तर फरीदाबाद में यमुना का पानी सुबह से लगातार बढ़ रहा है। मंगलवार दोपहर को जिले में यमुना का जलस्तर 82 हजार 247 क्यूसेक पर पहुंच गया है। इससे पहले, आज सुबह ओखला बैराज से फरीदाबाद की सीमा में 61 हजार 968 क्यूसेक पानी बह रहा था, जबकि सोमवार को 56 हजार 421 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था। किसानों की फसलें पानी में डूबी यमुना के पानी से खेतों में खड़ी धान की फसल डूब गई है। किसान इसे लेकर खासे चिंतित हैं। फसलों के नुकसान को लेकर सरकार ने किसानों को नुकसान भरपाई को लेकर आर्थिक मुआवजा देने का आश्वासन दिया है। उपायुक्त ने किसानों से कहा है कि वह अपने नुकसान को ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर अपलोड करें। किसान अपने नुकसान को ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर अपलोड करने के लिए तैयार नहीं हैं। क्योंकि 2023 में जब बाढ़ आई थी, तो किसानों ने अपने नुकसान को ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर अपलोड किया था। जिले से छह हजार किसानों ने अपने नुकसान का अपलोड किया था। तब तत्कालीन उपमुख्यमंत्री एवं आपदा मंत्री दुष्यंत चौटाला ने किसानों को बोरवेल में मिट्टी भर जाने और कोठरा गिर जाने के नुकसान का मुआवजा देने के बारे में घोषणा की थी। तब सरकार ने किसी भी किसान को नुकसान का एक रुपया भी मुआवजा नहीं दिया था। इसलिए किसानों को यह विश्वास नहीं है कि सरकार कोई नुकसान का मुआवजा देगी। यमुना में आई बाढ़ के नुकसान का अधिकारी लगातार गांवों का दौरा कर जायजा रहे हैं। अभी तक रिहायशी क्षेत्र में बसंतपुर-ईस्मालपुर को छोड़ कर किसी गांव की आबादी में जलभराव नहीं हुआ है।

यमुना में उफान से दिल्ली में बाढ़ का खतरा, गुरुग्राम में वर्क फ्रॉम होम की एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली। भारी बारिश और हथनी कुंड बैराज से पानी छोड़े जाने से दिल्ली एनसीआर के कई इलाकों में बाढ़ का संकट गहरा गया है। यमुना नदी में जलस्तर बढ़ने से आज यानी मंगलवार शाम को पुराना लोहा पुल बंद कर दिया जाएगा। प्रशासन ने लोगों से घर से संभलकर निकलने की सलाह दी। उधर, दिल्ली से सटे गुरुग्राम में सोमावार को हुई बारिश से सड़कें तालाब बन गई। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर 18 किलोमीटर से लंबा जाम लग गया। भारी बारिश के मद्देनजर प्रशासन ने एडवाइजरी जारी की है। साइबर सिटी में सोमवार की शाम आई भारी वर्षा के बाद जलमग्न हुआ सेक्टर 34 रोड की मुख्य सड़क। डीसी एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार ने गुरुग्राम के सभी कॉरपोरेट और प्राइवेट दफ्तरों से कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम की सुविधा देने की अपील की है। साथ ही सभी स्कूलों को दो सितंबर को ऑनलाइन कक्षाएं चलाने के निर्देश जारी किए हैं। आज शाम बंद हो जाएगा लोहा पुल यमुना नदी का जलस्तर आज 206 मीटर पहुंच जाएगा। सुबह सात बजे तक जलस्तर 205.75 मीटर है। 206 से अधिक पहुंचते ही पुराना लोहा पुल पर वाहनों का आवागमन बंद किया जाएगा। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण शाहदरा ने मंगलवार शाम पांच बजे से रेलवे लोहा पुल को बंद करने का आदेश दिया है।

सरकारी स्कूलों के छात्रों की खुली किस्मत, प्लेसमेंट ड्राइव में 478 विद्यार्थियों को मिली नौकरी

नई दिल्ली। शिक्षा निदेशालय के व्यावसायिक शिक्षा शाखा की ओर से आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में कुल 478 विद्यार्थियों को नौकरी मिली। निदेशालय ने राजधानी के चार स्थानों पर प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की थी। इस पहल का उद्देश्य 12वीं कक्षा के बाद व्यावसायिक विषय पढ़ चुके विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और उन्हें रोजगार के लिए तैयार करना था। इस प्लेसमेंट ड्राइव में कुल 40 नियोक्ता शामिल हुए। इस दौरान विभिन्न ट्रेड्स में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए, जिसमें 800 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इनमें से कुल 478 विद्यार्थियों का चयन हुआ। प्लेसमेंट ड्राइव के अंतिम दिन के कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री आशीष सूद और मंगोलपुरी विधायक राज कुमार चौहान मौजूद रहे। ड्राइव की प्रक्रिया पांच चरणों में पूरी हुई। इसमें ऑनलाइन पंजीकरण, ओरिएंटेशन, एम्प्लायर मैपिंग (नियोक्ता और कर्मचारी मानचित्रण), साक्षात्कार और इंडस्ट्री (उद्योग) इंटरफेस। इसमें एचसीएल टेक बी, हल्दीराम, टेक महिंद्रा फाउंडेशन, माय सिटी कार्ट और नव गुरूकुल जैसे प्रमुख संस्थान शामिल रहे।

जब लालकिले तक पहुंच गई थी यमुना, हथनी कुंड से 2013 में छोड़ा गया था सबसे ज्यादा पानी

नई दिल्ली। हरियाणा के हथनी कुंड बैराज से 11 जुलाई 2023 को जब 3.59 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया था, तब आईटीओ सहित कई क्षेत्रों में एक सप्ताह तक पानी भरा रहा था। उस दौरान आईटीओ बैराज के 32 में से पांच गेट जाम होने के कारण नहीं खोले जा सके थे। ड्रेन नंबर 12 का रेगुलेटर भी टूट गया था, जिससे यमुना का पानी आईटीओ के आसपास के क्षेत्रों में फैल गया था। यमुना में पानी बढ़ने के कारण दिल्ली के नालों के गेट बंद करने पड़े थे। इससे भी परेशानी बढ़ गई थी। यमुना में बढ़े जलस्तर को जांचने के लिए यमुना लोहा पुल के पास बोट में दौरा करते अधिकारी। हरीश कुमार किन क्षेत्रों में भरा था पानी? आईटीओ क्षेत्र, राजघाट के साथ यमुना खादर में स्थित गढी मांडू गांव, पुराना उस्मानपुर गांव के साथ ही कश्मीरी गेट के नजदीक यमुना बाजार और मोनास्ट्री मार्केट, रिंग रोड पर मजनू का टीला, बदरपुर विधानसभा क्षेत्र के जैतपुर विश्वकर्मा कॉलोनी, आईटीओ क्षेत्र, राजघाट, कश्मीरी गेट आइएसबीटी, जीटी करनाल रोड सहित आसपास के क्षेत्रों और अन्य क्षेत्रों में पानी भर गया था। महिपालपुर गांव के पास वर्षा से हुए जलभराव में बस का इंतजार करते यात्री। विपिन शर्मा सीएम रेखा गुप्ता ने किया था निरीक्षण पिछले दिनों यमुना के खतरे के निशान को पार करने पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने निचले क्षेत्रों का निरीक्षण किया था। उन्होंने दावा किया था कि बाढ़ रोकथाम के लिए सभी आवश्यक उपाय किए गए हैं। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री प्रवेश वर्मा ने भी इंद्रप्रस्थ मेट्रो स्टेशन व विश्व स्वास्थ्य संगठन के कार्यालय के नजदीक ड्रेन नंबर 12 के रेगुलेटर का निरीक्षण किया था। हथनी कुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद सभी सेक्टर अधिकारियों, जिला प्रशासन व दिल्ली पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है। यमुना किनारे 24 घंटे गश्त शुरू कर दी गई है। दिल्ली सरकार अलर्ट है। इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है। प्रवेश वर्मा, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री इस बार दिल्ली सरकार की तैयारी निचले क्षेत्र से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए मुनादी कराई जा रही है। लोहा पुल से शास्त्री पार्क मेट्रो स्टेशन जाने वाले मार्ग, मयूर विहार, आईटीओ पुल के नजदीक राहत शिविर तैयार किए गए हैं।

दिल्ली के खेतों की ओर अवैध तरीके से छोड़ा जा रहा हरियाणा का पानी, फसल हो रही तबाह

पश्चिमी दिल्ली। हरियाणा से सटे ढांसा गांव के किसान सुखबीर डागर इन दिनों काफी दुखी हैं। करीब 12 एकड़ खेत में इन्होंने अबकि बार धान की खेती की। काफी उम्मीद थी। फसल अच्छी होगी, इसके पूरे आसार थे। लेकिन अब इनके अरमानों पर पानी फिर चुका है। सारी फसल तबाह हो चुकी है। पूरा खेत जलमग्न है। सुखबीर की तरह ही ढांसा के कई किसान जलभराव की समस्या से त्रस्त हैं। करीब 500 एकड़ खेत हरियाणा से आने वाले पानी के बहाव की जद में है। हरियाणा से आखिर पानी क्यों आ रहा है। गांव के किसान बताते हैं कि हरियाणा के झज्जर जिला के बादली तहसील में एक गांव है दरियापुर। दरियापुर गांव में जलभराव नहीं हो, इसके लिए वहां के लोगों ने एक सड़क के बीचोंबीच पाइप डालकर वहां के खेतों में जमा पानी का निकास दिल्ली की ओर कर दिया है। जमीन की ढाल दिल्ली की ओर है तो पानी आसानी से ढांसा के खेतों में पहुंच जाता है। अब आज फिर एक बार झाड़ौदा का रुख करते हैं। ढांसा में भी झाड़ौदा की तरह समस्या है। झाड़ौदा गांव में पानी कहां से आता है। यह पूछने पर झाड़ौदा गांव के किसान हरियाणा के बहादुरगढ़ स्थित सीवरेज शोधन संयंत्र का जिक्र करते हैं। किसानों का कहना है कि सीवरेज शोधन संयंत्र का गंदा पानी दिल्ली के खेतों में छोड़ दिया जाता है। यह काम सीधा नहीं होकर चोरी छिपे किया जाता है। संयंत्र का गंदा पानी वे चुपचाप दिल्ली की ओर छोड़ देते हैं। यह पानी इतना गंदा होता है कि आपकी फसल तो फसल मिट्टी तक को खराब कर देती है। पिछले दो से तीन वर्षों से यह समस्या अतिगंभीर रूप ले चुकी है। किसानों का कहना है कि आप सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण वालों से यदि इस बात की शिकायत करते हैं

दिल्ली सरकार को आई यात्रियों की याद, परिवहन मंत्री ने दिया सुविधाओं पर जोर देने का निर्देश

नई दिल्ली। बसों की कमी और बस परिचालक में अव्यवस्था से लगातार हो रही यात्रियों की परेशानी की ओर दिल्ली सरकार का ध्यान अब गया है। परिवहन मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने सोमवार को इसी मुद्दे पर डीटीसी के क्षेत्रीय अधिकारियों की सोमवार को बैठक बुलाई और उन्हें डीटीसी बस सेवा को सुव्यस्थित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि डीटीसी संचालन व्यवस्था इस तरह से बहाल रखी जाए कि अधिक से अधिक यात्रियों को डीटीसी का लाभ मिल सके। उन्होंने बसों के शेड्यूल में संशोधन करने और रूटों को युक्तिसंगत बनाने का भी निर्देश दिया ताकि भीड़भाड़ कम हो और यात्रियों को समय पर सेवाएं मिलें। उन्होंने आगे कहा कि समयबद्ध संचालन से न केवल दक्षता में सुधार होगा, बल्कि निगम की वित्तीय स्थिति भी बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि मार्गों के युक्तिकरण और समयबद्ध संचालन से न केवल यात्रियों को लाभ होगा, बल्कि डीटीसी के राजस्व पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। अतिरिक्त राजस्व हमें नागरिकों के लाभ के लिए और अधिक बसें चलाने और बेड़े का विस्तार करने में सक्षम बनाएगा। मंत्री ने बेहतर बेड़े प्रबंधन के लिए डीटीसी डिपो के पुनर्गठन और इलेक्ट्रिक बसों को शामिल करने में तेजी लाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि गैर-प्रदूषणकारी ई-बसों की शुरूआत दिल्ली को भारत की ईवी राजधानी बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम होगी।

दिल्ली क्राइम ब्रांच को मिली बड़ी कामयाबी, कई मामलों में भगोड़ा अपराधी अरशद गिरफ्तार

दिल्ली क्राइम ब्रांच ने विकासपुरी में अपहरण हत्या और फिरौती के लिए लूटपाट करने वाले भगोड़े अपराधी अशद उर्फ अरशद को गिरफ्तार किया है। वह बिंदापुर के कुलदीप सिंह हत्याकांड में वांछित था। पुलिस ने उसे कटेवड़ा गांव से पकड़ा।

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच ने विकासपुरी में अपहरण, हत्या और फिरौती के लिए लूटपाट की वारदात में शामिल फरार अपराधी अशद उर्फ अरशद को गिरफ्तार कर लिया है। अदालत ने उसे भगोड़ा अपराधी घोषित कर रखा था। पुलिस इस मामले में शामिल कुछ आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। डीसीपी हर्ष इंदौरा के अनुसार, अशद दिल्ली के राजापुरी स्थित भरत विहार का रहने वाला है। वह बिंदापुर निवासी कुलदीप सिंह नामक व्यक्ति की हत्या के मामले में वांछित था। बिंदापुर थाने में 18 अगस्त को दर्ज फिरौती के लिए अपहरण और हत्या के मामले में वह वांछित था। वारदात को अंजाम देने के बाद वह छिप गया था और गिरफ्तारी से बचने के लिए बार-बार अपने ठिकाने बदल रहा था। उत्तम नगर के भगवती विहार निवासी बंटी नामक युवक ने पुलिस में शिकायत दी थी कि 17 अगस्त को उसे और उसके चाचा कुलदीप सिंह को रितिक और मुन्ना समेत चार आरोपियों ने अगवा कर लिया था। उन्होंने पहले कुलदीप सिंह और बंटी के साथ मारपीट की। विरोध करने पर रितिक ने अपने दोस्त से चाकू लेकर कुलदीप सिंह के सीने में घोंप दिया। उसे इलाज के लिए बीएम गुप्ता अस्पताल ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। जांच के दौरान, पुलिस ने आरोपियों के रास्ते के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर सबूत इकट्ठा करने के बाद पवन और मुन्ना को गिरफ्तार कर लिया। जबकि दो अन्य फरार हो गए, जिनमें से एक को पकड़ लिया गया। 1 सितंबर को पुलिस को सूचना मिली कि बिंदापुर में हत्या के एक मामले में वांछित अशद अपने साथियों से मिलने कटेवड़ा गाँव आने वाला है। एसीपी राजपाल डबास और इंस्पेक्टर पवन सिंह की निगरानी में पुलिस टीम ने उसे कटेवड़ा गाँव से पकड़ लिया। उसकी गिरफ्तारी से बिंदापुर और विकासपुरी के दो मामले सुलझ गए। इस मामले में, अजय कुमार नाम के एक व्यक्ति ने शिकायत की थी कि 19 मई की रात, जब वह अपनी हुंडई एक्सेंट कार से तिलक नगर स्थित घर लौट रहा था, तो गुजरांवाला अपार्टमेंट के पास पांच हमलावरों के एक समूह ने उसे रोक लिया, जिनमें से तीन स्कूटर पर और दो बाइक पर थे। अपराधियों ने उसकी कार को जबरन रोका, उसे बाहर निकाला और लाठी-डंडों और घूंसों से उस पर बेरहमी से हमला किया। एक बदमाश पीड़ित की कार लेकर फरार हो गया। पुलिस ने डकैती की धारा में मामला दर्ज किया और मामला अपराध शाखा को सौंप दिया।

जेएनयू शिक्षक संघ ने प्रोफेसर की बर्खास्तगी के खिलाफ खोला मोर्चा, कुलपति को पद से हटाने की रखी मांग

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में सामाजिक विज्ञान संकाय के राजनीतिक अध्ययन केंद्र के संकाय सदस्य डा. रोहन वी.एच. चौधरी की सेवा समाप्ति के विरोध में शिक्षक संघ ने प्रशासन के खिलाफ आक्रामक रुख अख्तियार कर लिया है। सोमवार को शिक्षक संघ ने प्रशासनिक ब्लाक पर जोरदार प्रदर्शन किया और कुलपति शांतिश्री डी. पंडित को पद से हटाने की मांग को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखा है। जेएनयू शिक्षक संघ (जेएनयूटीए) ने कुलपति पर विश्वविद्यालय को निजी एजेंडे का अड्डा बनाने का गंभीर आरोप लगाया है। संघ के अध्यक्ष सुरजीत मजमूदार ने पत्र में लिखा है कि कुलपति की नियुक्ति के समय उनके पिछले रिकॉर्ड में कदाचार के मामले सामने आए थे, जिसके लिए उन्हें दंडित भी किया गया था। फिर भी, शिक्षक संघ ने गरिमापूर्ण चुप्पी बनाए रखी, यह उम्मीद करते हुए कि एक पूर्व छात्रा के रूप में वह जेएनयू की शैक्षणिक विरासत को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगी। हालांकि, शिक्षक संघ का कहना है कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में कुलपति ने शिक्षकों की भावनाओं और अधिकारों को लगातार ठेस पहुंचाई है। मजूमदार ने कहा, शिक्षकों की गरिमा को बार-बार कुचला गया है। डा. रोहन क बर्खास्तगी इसका ताजा उदाहरण है, जो बिना किसी ठोस आधार के लिया गया एकतरफा फैसला है। यह विश्वविद्यालय में तानाशाही रवैये को दशार्ता है। 26 अगस्त को विश्वविद्यालय की 323वीं कार्यकारी परिषद की बैठक में लिए गए इस फैसले को शिक्षक संघ ने ह्लअन्यायपूर्ण और अलोकतांत्रिकह्व करार दिया है। प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने नारे लगाते हुए मांग की कि कुलपति को तत्काल पद से हटाया जाए और डा. रोहन की सेवा बहाल की जाए। शिक्षक संघ ने राष्ट्रपति से हस्तक्षेप की अपील की है, ताकि जेएनयू की शैक्षणिक स्वायत्तता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा हो सके।

दिल्ली में खतरे के निशान से ऊपर पहुंची यमुना, 15 हजार लोगों के लिए राहत शिविर तैयार

नई दिल्ली। हथनी कुंड से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने से दिल्ली में यमुना उफान पर है। रविवार रात से ही अधिक पानी छोड़ा जा रहा है। सोमवार सुबह दोपहर तक प्रति घंटे तीन लाख क्यूसेक तक पानी छोड़ा गया। इससे दिल्ली में लोहा पुल के पास मध्य रात्रि एक बजे ही यमुना खतरे के निशान 205.33 को पार गई। सुबह आठ बजे यह 205.80 मीटर तक पानी पहुंच गया। रात नौ बजे तक जलस्तर 206.41 मीटर पहुंचने का अनुमान है। हथनी कुंड से अभी भी प्रति घंटे 1.76 लाख क्यूसेक से लेकर दो लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। बाढ़ का खतरा देखते हुए निचले क्षेत्र में रहने वालों को राहत शिविरों में भेजा जा रहा है। लगभग 15 हजार लोगों को राहत शिविरों में रखने की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का दावा है कि पानी यमुना डूब क्षेत्र से बाहर नहीं पहुंचेगा। बाढ़ से बचाव के पर्याप्त उपाय किए गए हैं। 24 घंटे निगरानी की जा रही है। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, पुलिस व राजस्व विभाग के कर्मचारी स्थिति पर नजर रख रहे हैं। शाहदरा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने शाम पांच बजे से लोहा पुल को बंद करने का आदेश दिया है। निचले इलाकों में हुआ जलभराव, वाहनों की गति हुई धीमी राजधानी दिल्ली में सोमवार को हुई वर्षा के चलते कई इलाको में हल्के जलभराव के कारण नागरिकों को काफी परेशानी हुई। वहीं, तेज वर्षा के कारण वाहनों की गति भी धीमी हो गई लेकिन राहत की बात है कि कोई अनहोनी इस वर्षा के कारण नहीं हुई। जलभराव की प्रमुख समस्या उन इलाकों में हुई जो नीचले स्तर पर है। तेज वर्षा के कारण जल निकासी सही से न होने की वजह से जलभराव हो गया है।

पहले बुकिंग कर बुलाई ओला कैब, फिर चाकू मारने की धमकी देकर कार-नकदी और मोबाइल लूटा

बाहरी दिल्ली। बवाना थाना क्षेत्र में बदमाशों ने पहले ओला कैब बुक की, फिर कैब चालक को चाकू मारने की धमकी देकर कैब, नकदी व अन्य सामान लूट लिए। वहीं, गूगल पे के जरिए चालक से छह हजार रुपये भी अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए। पीड़ित की शिकायत पर बवाना थाना पुलिस ने 48 घंटे बाद ही दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। इनके कब्जे से कार, पिस्टल, कारतूस, चाकू व अन्य सामान बरामद किए गए। जांच के बाद पुलिस ने बताया कि आरोपित रोहित पर पहले से पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं सुरेंद्र पर कोई मामला दर्ज नहीं है। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि 28 अगस्त की रात बवाना थाना पुलिस को कैब लूटने की सूचना मिली। पुलिस टीम दरियापुर नहर हरेवली एमसीडी टोल के पास पहुंची। जहां पीड़ित कुंदन मिला। उसने बताया कि वह ओला कैब चालक है। उसकी स्विफ्ट डिजायर कैब को किसी ने बवाना चौक से आठ घंटे के लिए बुक करवाया। कार में दो लोग सवार हुए। आरोपित ने अपने साथी के साथ मिलकर चाकू की नोक पर उसकी कार को अपने नियंत्रण में ले लिया। उनसे दो मोबाइल फोन, 55 सौ रुपये, गूगल पे से छह हजार रुपये, पहचान पत्र सहित पर्स लूट लिए। बाद में बदमाश उसे जटोला टोल के पास छोड़कर कार समेत भाग गए। बवाना थाना पुलिस ने पीड़ित के बयान पर लूटपाट का मामला दर्ज कर लिया। थाना प्रभारी रजनी कांत के नेतृत्व में पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। सीडीआर, गूगल पे व ओला विवरणों से पकड़े गए आरोपित टीम ने सीडीआर, गूगल पे और ओला विवरणों की तकनीकी जांच से एक आरोपित के नंबर हासिल कर लिया। उसकी निगरानी करते हुए पुलिस ने औचंदी गांव से रोहित उर्फ गोलू को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से पुलिस ने एक पिस्टल और दो कारतूस बरामद कर लिए। पूछताछ में रोहित ने बताया कि उसने अपने साथी सुरेंद्र उर्फ सोनू के साथ मिलकर कार की लूट की थी। पुलिस ने उसके निशानदेही पर लूटी गई

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, परिजनों में मचा कोहराम

पलवल : पलवल की दीघाट गांव निवासी 24 वर्षीय युवक की संतरिक्ष परिस्थितियों में मौत हो गई। इसकी सूचना मिलने के बाद परिजनों और रिश्तेदारों में कोहराम मच गया। मृतक मोनू उर्फ गौतम पुत्र स्वर्गीय बीरपाल का शव बामनीखेड़ा के पास एक निमार्णाधीन बिल्डिंग के बेसमेंट में पड़ा हुआ मिला है, जो 31 अगस्त को पंचवटी कॉलोनी स्थित अपने निवास से स्कूटी लेकर निकला था। बीती शाम मिले शव की देर रात पहचान हुई थी। पुलिस आज शव का पोस्टमार्टम करा रही है। जानकारी के अनुसार गांव में रहने वाले 2 बहनों के साथ पलवल पंचवटी कॉलोनी में रह रहा था जो यहां पर भैंसों की डेरी बनाकर दूध बेचने का काम करते थे। उसके पिता की वर्ष 2013 में मौत हो गई थी। देखा जाए तो विधवा महिला अपने बच्चों का पेट पालने के लिए शहर में जाकर दूध की देरी चल रही थी। यहां आने के बाद उनके ऊपर मोनू की मौत के रूप में वज्रपात हो गया। परिजनों को कहना है कि हमें अभी किसी पर कोई शक नहीं है, लेकिन पुलिस से उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग की है और कहीं ना कहीं उन्होंने शंकर जाहिर की है कि कुछ लोगों के द्वारा उसे उसे स्थान पर जो की एकांत और वीरान स्थान पर बनाई जा रही थी। वहां पर पाया गया है अकेला वहां पर नहीं जा सकता था। परिजनों को मेरे साथ के चेहरे पर चोटों की निशान भी दिखाई दिए हैं।

लिव-इन रिलेशनशिप महिलाओं के खिलाफ बढ़ता अपराध": रेनू भाटिया बोलीं- इंटरनल कंप्लेंट कमेटी बनाना जरूरी

बहादुरगढ़ : लिव इन रिलेशनशिप महिलाओं के खिलाफ सबसे ज्यादा बढ़ता हुआ अपराध है। लिविंग रिलेशनशिप अपराध आज के दौर में 95% का आंकड़ा पार कर चुका है। इसे लेकर महिलाओं में जागरूकता लाना बेहद जरूरी है। यह कहना है हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया का। रेनू भाटिया बहादुरगढ़ के कन्या महाविद्यालय में छात्राओं को जागरूक करने के लिए आयोजित एक सेमिनार में शिरकत करने पहुंची थी। यहां उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए हरियाणवी कलाकार अंजलि राघव के साथ बिहार के कलाकार पवन सिंह द्वारा जबरदस्ती टच करने की घटना को लेकर भी अपना बयान दिया।

हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया का कहना है कि लाइव इन रिलेशनशिप महिलाओं के खिलाफ आज के दौर में सबसे ज्यादा बढ़ता हुआ अपराध है। यह अब 95% तक पहुंच गया है। इसे लेकर महिलाओं में जागरूकता लाना बेहद जरूरी है। रेनू भाटिया ने हरियाणवी कलाकार अंजलि राघव के साथ बिहार के कलाकार पवन

सिंह द्वारा मंच पर जबरदस्ती टच करने की घटना को लेकर भी टिप्पणी की। उनका कहना है कि इस तरह की घटना बेहद गलत है। उनका कहना है कि अगर हरियाणवी कलाकार अंजलि राघव उनके पास आएंगी तो वह इस संबंध में जरूर कार्रवाई करेंगी। हालांकि उनके पास अभी तक अंजलि राघव की ओर से कोई शिकायत नहीं आई है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने साथ हुए अपराध के बारे में मुखरता से बोलना चाहिए।

वहीं, दूसरी तरफ भिवानी की टीचर मनीषा की मौत के मामले को लेकर रेनू भाटिया ने कहा कि यह घटना चाहे हत्या हो या फिर आत्महत्या, इसके पीछे के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि वह मनीषा के परिवार से मुलाकात करने भी गई थी लेकिन वहां कुछ ग्रामीणों ने उन्हें मनीषा के परिवार से नहीं मिलने दिया। इसके बावजूद महिला आयोग पीड़ित परिवार का सहयोग करने के लिए तैयार है।

रेनू भाटिया ने छात्राओं को महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराधों के ताजा उदाहरण देकर जागरूक किया। इतना ही नहीं छात्राओं को पोक्सो एक्ट और साइबर क्राइम के प्रति भी जागरूक किया गया। रेनू भाटिया का कहना है कि पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार महिलाओं के प्रति अपराध घटते बढ़ते रहते हैं। इन दिनों महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति पूरी तरह से जागरूक है इसलिए अब शिकायतें भी ज्यादा सामने आने लगी है। उन्होंने कॉलेज की छात्राओं से अपराध के बारे में रिपोर्ट करने की सलाह भी दी।रेणु भाटिया ने बताया कि प्रदेश भर के सभी कॉलेज और संस्थानों मे इंटरनल कंप्लेंट कमेटी होना बेहद जरूरी है। अगर किसी कॉलेज अथवा संस्थान में यह कमेटी एक्टिव रूप से काम नहीं कर रही तो जुमार्ने के साथ-साथ सजा का प्रावधान भी किया गया है। उन्होंने बताया कि वह झज्जर जिला प्रशासन से भी जानकारी लेगी कि इस तरह की कमेटी झज्जर जिले में सही ढंग से कम कर रही है या फिर नहीं।

जींद में 131 बच्चों के लिए केवल दो कमरे, अभिभावकों ने गेट पर लगाया ताला

जींद : सरकारी प्राइमरी स्कूलों की दयनीय स्थिति ने शिक्षित भारत के सपने को चुनौती दी है। विश्कर्मा कॉलोनी के प्राइमरी स्कूल में 131 बच्चों के लिए केवल दो कमरे और एक बरामदे की व्यवस्था है, जिसके कारण अभिभावकों ने नाराजगी जाहिर करते हुए स्कूल के गेट पर ताला लगा दिया। बारिश के मौसम में बच्चे 20 मिनट तक बाहर खड़े रहे, क्योंकि स्कूल में बैठने की पर्याप्त सुविधा नहीं है। पहली से पांचवीं कक्षा तक के बच्चे इन सीमित संसाधनों में पढ़ने को मजबूर हैं।अभिभावकों का आरोप है कि स्कूल में बच्चों के लिए न तो बैठने की उचित व्यवस्था है और न ही पढ़ाई के लिए समुचित सुविधाएँ। इस स्थिति से क्षुब्ध होकर उन्होंने स्कूल के गेट पर ताला जड़ दिया। सूचना मिलने पर खंड शिक्षा अधिकारी राजपाल देशवाल मौके पर पहुँचे और अभिभावकों को समझाकर ताला खुलवाया। खंड शिक्षा अधिकारी राजपाल देशवाल ने कहा, "हमें सूचना मिली थी कि विश्कर्मा कॉलोनी के प्राइमरी स्कूल के गेट पर अभिभावकों ने ताला लगाया है। हमने मौके पर जाकर स्थिति को संभाला और ताला खुलवाया। स्कूल में जगह की कमी है, यह सत्य है। हमने अभिभावकों को समझाया और वैकल्पिक स्थान की तलाश शुरू कर दी है।"उन्होंने बताया कि स्कूल में 131 बच्चों के लिए केवल दो कमरे और एक बरामदा उपलब्ध है, जिसके कारण पढ़ाई में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है। अभिभावकों की शिकायतों को दूर करने का प्रयास किया गया है, और अब स्कूल में शांतिपूर्ण ढंग से कक्षाएँ संचालित हो रही हैं।यह घटना सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी को रेखांकित करती है, जो बच्चों के भविष्य और शिक्षित भारत के लक्ष्य के लिए एक गंभीर चुनौती प्रस्तुत करती है।

हरियाणा में गेस्ट हाउस खोलने का सोच रहे है तो आपके पास है सुनहरी मौका...सरकार ने लिया बड़ा फैसला

हरियाणाः हरियाणा सरकार ने शहरी क्षेत्रों में गेस्ट हाउस खोलने की राह आसान कर दी है। शहरी स्थानीय निकाय विभाग ने नई पहल के तहत सार्वजनिक सूचना जारी कर कहा है कि अब राज्यभर के आवासीय सेक्टरों में नेट प्लान्ड एरिया (एनपीए) के अंतर्गत अधिकतम 1.25 एकड़ तक गेस्ट हाउस स्थापित करने की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए कंपनियां, ट्रस्ट, फर्म या व्यक्तिगत आवेदक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि आवेदन केवल सीएलयू पोर्टल के माध्यम से ही स्वीकार होंगे। ऑफलाइन या समय-सीमा के बाद जमा आवेदन मान्य नहीं होंगे। नोटिस जारी होने की तिथि से दो माह के भीतर आवेदन करना अनिवार्य है, अन्यथा वे स्वतः निरस्त माने जाएंगे। इसी क्रम में गुरुग्राम के सेक्टर-70ए में गेस्ट हाउस के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। नीति के अनुसार, अधिकतम 1.25 एकड़ तक का क्षेत्र गेस्ट हाउस के लिए स्वीकृत किया जा सकता है। हालांकि, किस सेक्टर या शहर में कितना क्षेत्र उपलब्ध होगा, इसका निर्णय विभाग आवेदन की संख्या और निर्धारित मानकों के आधार पर करेगा। गुरुग्राम, फरीदाबाद और पंचकूला जैसे तेजी से विकसित हो रहे शहरी क्षेत्रों में गेस्ट हाउस की मांग सबसे ज्यादा है। रोजगार, व्यापार और शिक्षा के अवसरों के चलते यहां लगातार बाहरी लोगों का आगमन बढ़ रहा है। ऐसे में यह पहल न केवल जरूरतों को पूरा करेगी बल्कि स्थानीय स्तर पर नए रोजगार भी पैदा करेगी।

शहरी स्थानीय निकाय विभाग के निदेशक ने कहा है कि अनुमति केवल उन्हीं को दी जाएगी, जो सभी अधिनियमों और मानकों का पालन करेंगे। उद्देश्य है कि शहरी विकास को सुव्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाया जाए और अवैध निर्माण पर लगाम लगे। विशेषज्ञों का मानना है कि यह नीति उद्यमियों और निवेशकों के लिए एक बड़ा अवसर है। अगले दो माह उनके लिए बेहद अहम होंगे। सरकार की यह पहल हरियाणा के शहरी ढांचे को मजबूत करने के साथ ही शहरों को अधिक सुविधाजनक और व्यवसाय-हितैषी बनाएगी।

हरियाणा के इस जिले में सबसे सस्ती मार्केट, जहां मिलते हैं किलो के भाव में कपड़े

हरियाणा :आजकल फैशन की दुनिया में तेजी से बदलाव आया है। हर कोई नए और ब्रांडेड कपड़े खरीदना पसंद करता है। लेकिन महंगाई के इस दौर में अच्छी क्वालिटी के कपड़े खरीदना हर किसी के लिए आसान नहीं रहता। जेबें ढीली हो जाती हैं और खरीदारी का मजा कम हो जाता है। ऐसे में हम आपको हरियाणा की एक खास मार्केट के बारे में बताने जा रहे हैं, जो दिल्ली के मशहूर चोर बाजार से भी सस्ती है। यह मार्केट पानीपत में स्थित है, जहां आप किलो के हिसाब से बेहद कम दामों में बेहतरीन कपड़े खरीद सकते हैं।

पानीपत की ये मार्केट क्यों है खास? जब भी सस्ते कपड़ों की बात होती है, तो हमारे दिमाग में दिल्ली के सरोजिनी नगर, चांदनी चौक या चोर बाजार जैसे नाम आते हैं। लेकिन पानीपत की यह मार्केट इन सब से बेहतर साबित होती है। यहां न केवल सस्ते, बल्कि ब्रांडेड कपड़े भी बहुत

कम दामों में उपलब्ध होते हैं। पानीपत के साथ-साथ आसपास के इलाकों के लोग भी यहां खरीदारी करने आते हैं। किलो के हिसाब से कपड़ेइस मार्केट की सबसे अनोखी बात यह है कि यहां कपड़े पीस के हिसाब से नहीं बल्कि किलो के हिसाब से बेचे जाते हैं। दुनियाभर से यहां पुराने, लेकिन अच्छे हालत वाले कपड़े आते हैं। उन्हें उनकी गुणवत्ता के अनुसार श्रेणियों में बांटा जाता है और फिर उचित दाम पर बेचा जाता है। यही वजह है कि कई व्यापारी यहां से कपड़े खरीदकर दिल्ली के लाजपत नगर, सरोजिनी नगर और अन्य जगहों पर बेचते हैं।

करोड़ों के बजट से फिर चमकेंगी मंत्रियों की कोठियां, इतने रुपए हुए मंजूर

चंडीगढ़ : हरियाणा सरकार ने मंत्रियों की सरकारी कोठियों के रखरखाव के लिए एक बार फिर से 5 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया है। यह मौजूदा कार्यकाल में दूसरी बार है जब इस तरह की राशि को मंजूरी दी गई है। इससे पहले नवंबर 2024 में विधानसभा सत्र के दौरान 15 करोड़ रुपये मरम्मत कार्यों के लिए स्वीकृत किए गए थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कार्यभार संभालने के बाद अधिकांश मंत्रियों को कोठियां अलॉट कर दी गई थीं। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कोठी लेने से इंकार किया था, जबकि मंत्री विपुल गोयल को हाल ही में सेक्टर-16 में आवास मिला है, जहां फिलहाल मरम्मत जारी है। नवंबर 2024 में स्वीकृत बजट से अधिकांश कोठियों की मरम्मत का काम कई महीनों तक चलता रहा। अब कुछ मंत्रियों द्वारा अतिरिक्त राशि की मांग के बाद विधानसभा ने फिर से 5 करोड़ की स्वीकृति दी है। मनोहर लाल के कार्यकाल में खर्च हुए थे 21 करोड़ रुपए गौरतलब है कि विपक्ष ने इस प्रस्ताव का विरोध नहीं किया। यह परंपरा पहले भी रही है कि हर साल मरम्मत के लिए बजट पारित होता है। आंकड़ों के अनुसार, पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के दूसरे कार्यकाल (2019-2024) में कुल 21 करोड़ रुपये कोठियों के रखरखाव पर खर्च किए गए थे। उस दौरान कई मंत्रियों के आवासों की मरम्मत 3 से 4 बार हुई थी, जिनमें करोड़ों रुपये खर्च हुए थे।

उफनती यमुना नदी की भेंट चढ़े 2 युवक, पुलिस का सर्च अभियान जारी

यमुनानगर : पहाड़ों पर हुई मूसलाधार बरसात के चलते यमुना नदी पुरे उफान पर है। यमुनानगर में पानी के तेज बहाव के साथ पहाड़ों से कीमती लकड़ियां भी बहकर यमुना नदी में आ रही है, जिन्हें पानी से निकालने के चक्कर में 2 युवक तेज बहाव की भेंट चढ़ गए। फिलहाल पुलिस ने दोनों लापता युवकों को ढूंढने का प्रयास कर रही है। जानकारी के अनुसार यमुना नदी में कई युवक लकड़ियों के लिए नदी में उतरते हैं। बीते सोमवार हथिनीकुंड बैराज के पास लोग लकड़ी निकाल रहे थे। इसी दौरान 2 युवक तैरती हुई लकड़ियां निकलाने के लिए दो युवक नदी मे कूद गए। इस भारी लकड़ी को दो युवकों ने निकालने का प्रयास किया लेकिन तेज बहाव के कारण बाहर नहीं आ सके। तेज बहाव में दोनों युवक बह गए।घटना की सूचना मिलने पर एसपी कमलदीप गोयल सहित पुलिस के बड़े अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस फिलहाल लापता युवकों की तलाश कर रही है। वहीं एसपी कमलदीप गोयल ने कहा है कि लकड़ियों के लिए नदी मे उतरने वालों के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। इस बारे में आसपास के गांवों के सरपंचों को कहा गया है कि लोगों को इस बारें में हिदायत दी जाए।

3 पुलिसकर्मी रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े, पिता को केस में फंसाने की धमकी दे मांगी थी घूस

फरीदाबाद : हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अरक और दो सिपाहियों को 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए पुलिसकर्मियों में एएसआई संजय, सिपाही खालिद और फारूक शामिल हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार, वह कबाड़ का कारोबार करता है और अपने घर के नीचे ही दुकान चलाता है। 1 सितंबर को क्राइम ब्रांच सेक्टर-65 की टीम सादे कपड़ों में वहां पहुंची और उसके पिता पर चोरी का माल खरीदने-बेचने का आरोप लगाते हुए उन्हें पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई।

आरोप है कि क्राइम ब्रांच इंचार्ज संजय व उनके साथियों ने पिता को चोरी के केस से बचाने के लिए एक लाख रुपये की मांग की। मोलभाव के बाद रिश्वत की रकम 25 हजार तय हुई। इसकी सूचना पीड़ित ने ACB को दी, जिसके बाद टीम ने जाल बिछाकर तीनों पुलिसकर्मियों को रंगे हाथ पकड़ लिया।

हाथों में किताब, नजरें पानी से निकलने वाले सांपों पर, भय के साये में पढ़ने को मजबूर हैं ये विद्यार्थी

चरखी दादरी : लगातार हो रही बारिश के बाद से बने हालातों की झलक चरखी दादरी के राजकीय संस्कृति मॉडल स्कूल में देखने को मिल रही है। स्कूल परिसर से लेकर कमरों व लैब तक पानी से लबालब हैं। हालात ऐसे बने हैं कि विद्यार्थियों के हाथों में किताब होती है तो उनकी नजरें पानी से निकलने वाले सांपों व अन्य कीड़ों पर लगी रहती है।

भय के साये में पढ़ रहे विद्यार्थियों को अपनी जान की परवाह है बावजूद इसके स्कूल से पानी निकासी के पुख्ता प्रबंध नहीं हुए। पानी से लबालब स्कूल होने के चलते स्कूल को दो शिफ्टों में शुरू करना पड़ा है। हालांकि स्कूल भवन के लिए करीब 6 करोड़ की राशि मंजूर की गई है लेकिन कार्य शुरू नहीं होने व बारिश ज्यादा होने से हालात बुरे हो सकते हैं।

बता दें कि मानसून सीजन के दौरान लगातार कई वर्षों से जिला मुख्यालय

पर राजकीय संस्कृति मॉडल स्कूल परिसर में जलभराव की स्थिति बनी रहती है। इस बार से हालात ऐसे बन गए कि पूरा स्कूल पानी से लबालब हो गया। यहां तक कि कमरों से लेकर लैब व शौचालय भी पानी में डूबे हुए हैं। ऐसे में स्कूल प्रबंधन द्वारा दो शिफ्टो में क्लासें शुरू की हैं।

वहीं विद्यार्थियों का कहना है कि स्कूल के हालातों के चलते उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्कूल में कभी सांप तो कभी बिच्छू निकलते हैं। वे भय के साये में पढ़ाई करने पर मजबूर हैं। स्कूल प्राचार्य सुरेश यादव ने बताया कि सरकार द्वारा करीब 6 करोड़ का बजट नये भवन के लिए मंजूर किया है, जिसका टेंडर भी हो चुका है।कार्य शुरू नहीं होने से स्कूल में पानी ज्यादा भर गया है। हालांकि उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों को पत्र भी लिखे हैं। अब प्रशासन द्वारा स्कूल से पानी की निकासी करवाने का आश्वासन मिला है। जल्द ही पानी निकलवाया जाएगा और अध्यापकों को क्लासों के दौरान सजग रहने के निर्देश दिए हैं।

हरियाणा वासियों के लिए बड़ी राहत! अब बकाया बिजली बिल होगा माफ

हरियाणा : हरियाणा वासियों के लिए बड़ी खबर है। हरियाणा सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को राहत देने के लिए बिजली बिल माफी योजना 2025 की शुरूआत की है। इस योजना के तहत उन उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा, जिनका बिजली बिल बकाया है और वे उसे चुकाने में असमर्थ हैं। अगर आप इस योजना का लाभ उठाना चाहते हैं, तो इन आसान स्टेप को फॉलो करके अप्लाई कर सकते हैं... क्या है बिजली बिल माफी योजना?

यह योजना उन उपभोक्ताओं के लिए है: जिनका बिजली कनेक्शन बकाया बिल की वजह से काट दिया गया है। जो फिर से बिजली कनेक्शन शुरू करवाना चाहते हैं, लेकिन पूरा बकाया चुकाने में असमर्थ हैं। अब ऐसे उपभोक्ता केवल 25% राशि का भुगतान करके फिर से अपना कनेक्शन चालू करवा सकते हैं। कौन उठा सकता है योजना का लाभ? इस योजना का लाभ वही परिवार उठा सकते हैं: जिनकी वार्षिक आय 1 लाख रुपये से कम है।

जो हरियाणा के मूल निवासी हैं। जिनका मासिक बिजली उपयोग 180 यूनिट से अधिक नहीं है। जरूरी दस्तावेजपासपोर्ट साइज फोटो मोबाइल नंबर चालू ईमेल आईडी आधार कार्ड परिवार पहचान पत्र आय प्रमाण पत्र पिछले 12 महीने का बकाया बिजली बिल हरियाणा निवास प्रमाण पत्र आवेदन की प्रक्रिया सबसे पहले अपने नजदीकी बिजली विभाग कार्यालय जाएं। वहां से योजना का आवेदन फॉर्म प्राप्त करें। फॉर्म में मांगी गई सभी जानकारी को ध्यानपूर्वक भरें। आवश्यक दस्तावेज फॉर्म के साथ अटैच करें। पूरा फॉर्म संबंधित कार्यालय में जमा करवा दें।

ऑस्ट्रिया से डिपोर्ट होते ही खालिस्तानी समर्थक को पुलिस ने किया डिटेन, NSA के तहत भेजा जेल

पानीपत : खालिस्तान समर्थक और प्रतिबंधित संगठन खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (KZF) से जुड़ा आरोपी हरदीप सिंह भारत लौटते ही पुलिस ने डिटेन कर लिया है। जिला उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र कुमार दहिया ने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए उसे 13 दिन के लिए सिवाह स्थित जेल भेजने के आदेश दिए।

जानकारी के अनुसार पानीपत की वधावाराम कॉलोनी निवासी हरदीप सिंह पुत्र निशान सिंह वर्ष 2009 से ऑस्ट्रिया की जेल में हत्या के एक मामले में सजा काट रहा था। इस दौरान वह डेन्क्का सक्रिय सदस्य बना रहा। 28 अगस्त को डिपोर्ट होकर जैसे ही वह दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचा, खुफिया एजेंसियों के इनपुट के आधार पर पुलिस ने उसे वहीं से डिटेन कर लिया गया। डीसी वीरेंद्र कुमार दहिया ने बताया कि इंटेलिजेंस ब्यूरो और पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार, हरदीप पंजाब में 2009 में भड़के दंगों में भी शामिल रहा था। सुरक्षा एजेंसियों को शक है कि रिहा होने के बाद उसकी गतिविधियां राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए

खतरा बन सकती हैं। इसी आधार पर ठरअ लगाते हुए उसे डिटेन किया गया है। आदेश की पुष्टि के लिए पूरी रिपोर्ट एसीएस होम विभाग को भेज दी गई है।

खालिस्तान समर्थक और प्रतिबंधित संगठन खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (KZF) से जुड़ा आरोपी हरदीप सिंह भारत लौटते ही पुलिस ने डिटेन कर लिया है।

सूर्यकुमार यादव की नेट्स पर वापसी, एशिया कप के लिए शुरू की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव वापसी कर चुके हैं और हाल ही में नेट सत्र के दौरान शानदार लय में दिखे, जहां उन्हें गेंदबाजों की सहजता से धुनाई करते देखा गया। नाजुक स्वीप से लेकर शक्तिशाली लॉफ्टेड शॉट्स तक 34 वर्षीय इस खिलाड़ी ने अपने विशिष्ट स्ट्रोक्स का प्रदर्शन किया जिससे उनकी बहुप्रतीक्षित वापसी से पहले उनकी तैयारी का संकेत मिलता है।

सूर्यकुमार ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट किया, फाइनल चैक।' भारत की टी20 कप्तानी संभालने के बाद से सूर्यकुमार ने 15 मैचों में 258 रन बनाए हैं। हाल के टी20 मैचों में उनके रनों की तुलना में इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2025 में उनका प्रदर्शन असाधारण रहा। मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व करते हुए वह सीजन के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे, उन्होंने 16 मैचों (16 पारियों) में 65.18 की शानदार औसत और 167 से ज्यादा के धमाकेदार स्ट्राइक रेट से 717 रन बनाए। उन्होंने 5 अर्धशतक लगाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 73 रन रहा।'

इस साल जून में IPL के 18वें सीजन के समापन के कुछ हफ्ते बाद सूर्यकुमार ने पुष्टि की कि जर्मनी के म्यूनिख में उनकी स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी सफल रही। भारत लौटने के बाद उन्होंने COE में अपना पुनर्वास जारी रखा। वह 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप 2025 में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने के लिए तैयार हैं। भारत अगले दिन यूएई के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। भारत अपने एशिया कप अभियान की मजबूत शुरुआत करने के लिए सूर्यकुमार के निडर रवैये पर भरोसा करेगा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, कमिंस भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला से बाहर

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष तेज गेंदबाज और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण मंगलवार को भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की श्रृंखला से बाहर हो गए।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ इस साल के आखिर में होने वाली एशेज श्रृंखला को ध्यान में रखते हुए उनके रिहैबिलिटेशन की व्यवस्था की जा रही है। ऑस्ट्रेलिया एक अक्टूबर से न्यूजीलैंड के साथ तीन टी20 मैच खेलेगा। उसके बाद वह भारत के खिलाफ तीन वनडे (19-25 अक्टूबर) और पांच टी20 मैच (29 अक्टूबर से आठ नवंबर) खेलेगा।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज श्रृंखला 21 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बयान में कहा, 'कमिंस को भारत (और न्यूजीलैंड) के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए टीम में नहीं चुना जाएगा और वह इस बीच रिहैबिलिटेशन पर रहेंगे।'

सुनील गावस्कर के 'विदेशी अपना देखें' बयान पर ब्रैड हैडन का पलटवार, श्रेयस अय्यर का नाम लेकर दिया ये जवाब

मुम्बई (एजेंसी)। एशिया कप 2025 के लिए जब टीम इंडिया के स्क्वॉड पर कई दिग्गज क्रिकेटर्स ने सवाल खड़े किए थे। इस कड़ी में कुछ विदेशी खिलाड़ियों ने भी अपनी बयानबाजी की थी। जिस पर पूर्व दिग्गज सुनील गावस्कर गुस्सा हो गए ते और उन्होंने इन विदेशी खिलाड़ियों की जमकर आलोचना की थी। लेकिन अब गावस्कर के इस बयान के बाद अब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर ब्रैंड हैडिन का जवाब आया है।

गावस्कर ने कहा था कि विदेशी खिलाड़ियों को भारतीय टीम के मसलों से दूर रहना चाहिए और अपने देश की क्रिकेट पर ध्यान देना चाहिए। हैडिन ने इस बात का जवाब दिया है। ये बहस श्रेयस अय्यर को एशिया कप के लिए भारत की टी20 टीम में जगह नहीं मिलने के बाद शुरु हुई थी।

हैडिन ने विलो टॉक नाम के पॉडकास्ट पर कहा कि क्रिकेट के मसलों पर बात करना उनका काम है। हैडिन ने कहा कि वह आईपीएल में काम करते हैं और इसलिए भारतीय टीम के खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं। उन्होंने आगे कहा कि, वह पंजाब किंग्स में अय्यर के साथ थे और इसलिए जानते हैं कि वह टीम में चुने जाने के हकदार हैं। हैडिन पंजाब के बल्लेबाजी कोच हैं।

हैडिन ने कहा कि, हमारा काम विश्व क्रिकेट में जो हो रहा है उस पर अपना विचार रखना है। हम यही करते हैं। मैंने आईपीएल में उन्हें कोच किया है और मैंने जो कहा उस पर मैं कायम हूं। मैं इस बात से हैरान था कि वह टीम का हिस्सा नहीं हैं। मैं ये नहीं कह रहा कि बाकी जो खिलाड़ी चुने गए हैं वो नहीं चुने जाने चाहिए थे।

हैडिन ने कहा कि, मैंने ये इसलिए कहा था कि क्योंकि जिस तरह से अय्यर ने हमारी टीम को संभाला था। वह शानदार लीडर हैं और जिस तरह से वह दवाब में आगे से टीम का नेतृत्व करते हैं वो बेहतरीन है। उन जैसे खिलाड़ियों को साइडलाइन करते हुए भी भारत के पास अच्छी टीम है।

मिचेल स्टार्क ने टी20 विश्व कप से पहले उठाया बड़ा कदम, टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

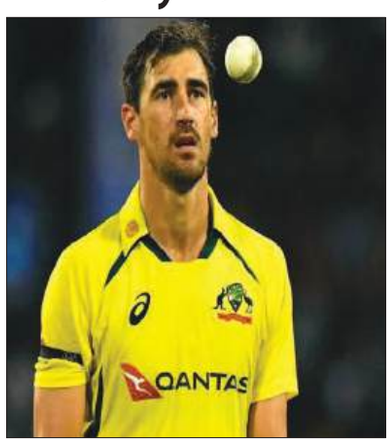

ब्रिसबेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। न्यूजीलैंड के खिलाफ एक अक्टूबर से शुरू हो रही तीन मैचों की श्रृंखला के लिए मंगलवार को घोषित आस्ट्रेलियाई टी20 टीम में स्टार्क और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस के नाम नहीं हैं। 33 वर्ष के स्टार्क ने 65 टी20 मैचों में 79 विकेट लिए हैं।

उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट उनकी प्राथमिकता है और अगले दो साल के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए उन्हें तैयार रहना है। कमिंस को पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बाद से आराम दिया गया है। उनकी कमर में भी दर्द है इसलिए नवंबर में इंग्लैंड के खिलाफ एशेज श्रृंखला की तैयारी के मद्देनजर उन्हें आराम दिया है। स्टार्क एशेज, भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला और 2027 वनडे विश्व कप के लिये पूरी तरह फिट रहना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, 'मैंने ऑस्ट्रेलिया के लिए हर टी20 मैच के हर मिनट का मजा लिया है। खासकर 2021 विश्व कप क्योंकि जीत के साथ हमने पूरे सफर का आनंद लिया।' स्टार्क ने कहा, 'टी20 से संन्यास लेने का कारण तरोताजा और फिट बने रहना है। इससे गेंदबाजी समूह को टी20 विश्व कप की तैयारी के लिए भी समय मिल जाएगा।'

आस्ट्रेलियाई चयन समिति के प्रमुख जॉर्ज बेली ने कहा, 'मिचेल को अपने टी20 करियर पर गर्व होना चाहिए। वह विश्व कप 2021 विजेता टीम का प्रमुख सदस्य था। अच्छी बात यह है कि वह टेस्ट और वनडे क्रिकेट खेलता रहेगा।''

पाकिस्तान के मध्य क्रम बल्लेबाज ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के मध्य क्रम बल्लेबाज आसिफ अली ने इंस्टाग्राम हैंडल पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। 2021 टी 20 विश्व कप में अफगानिस्तान के खिलाफ रोचक मुकाबले में उनकी 7 गेंदों पर 25 रनों की पारी उनके अंतरराष्ट्रीय करियर की सबसे यादगार पारी है। आसिफ ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को अपने जीवन का एक गर्व करने योग्य अध्याय करार देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। आसिफ ने कहा, 'आज मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करता हूं। अलहमदुलिल्लाह, पाकिस्तान की जर्सी पहनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है और क्रिकेट के मैदान पर अपने देश की सेवा करना मेरे लिए सबसे गौरव की बात रही है। मेरे प्रशंसकों, साथियों और कोचों, हर उतार-चढ़ाव में आपके प्यार, विश्वास और समर्थन के लिए धन्यवाद। मेरे परिवार और दोस्तों, जो खुशी के पलों में और मुश्किल हालातों में, जिसमें विश्व कप के दौरान मेरी प्यारी बेटी का निधन भी शामिल है, मेरे साथ खड़े रहे, आपकी ताकत ने मुझे आगे बढ़ाया।' आसिफ ने कहा कि वह घरेलू क्रिकेट और दुनिया भर में फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे। आसिफ ने पाकिस्तान के लिए 58 टी20 और 21 वनडे खेले। टी20 में आसिफ ने 15.18 की औसत से 577 रन बनाए, वहीं वनडे में उन्होंने 25.46 की औसत से 382 रन बनाए जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। पाकिस्तान के लिए उन्होंने आखिरी वनडे अप्रैल 2022 में लाहौर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था जबकि अपना अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच उन्होंने अगस्त 2023 में एशियन गेम्स में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 प्रारूप में खेला। आसिफ को 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ डेब्यू का मौका मिला था, डेब्यू से पहले उन्होंने उस साल अक्टूबर में इस्लामाबाद यूनाइटेड को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। इसके दो महीने बाद ही उन्हें वनडे में डेब्यू करने का मौका मिला लेकिन प्रदर्शन की निरंतरता की कमी के चलते वह टीम में स्थाई जगह हासिल नहीं कर पाए। आसिफ हाल ही में पाकिस्तान चैंपियंस के लिए भी खेलते नजर आए थे। साउथ अफ्रीका चैंपियंस के खिलाफ फाइनल में उन्होंने 28 रनों की पारी खेली थी।

एकदिवसीय क्रिकेट के पहले 55 मैचों में सचिन और विराट से आगे हैं शुभमन

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल का प्रदर्शन एकदिवसीय में भी काफी अच्छा रहा है। यहां तक कि वह शुरुआती आंकड़ों पर नजर डालें तो महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और पूर्व कप्तान विराट कोहली से भी आगे नजर आते है। सचिन और विराट के नाम विश्व क्रिकेट में कई रिकार्ड हैं। शुभमन ने अभी तक 55 एकदिवसीय ही खेले हैं। ऐसे में अगर विराट और सचिन के पहले 55 एकदिवसीय मुकाबलों से उनकी तुलना करें तो शुभमन आगे दिखते हैं।

सचिन तेंदुलकर : सचिन ने अपने एकदिवसीय करियर में कुल 463 मैच खेले जिसमें 44.83 की औसत के साथ 18426 रन बनाए। हालांकि सचिन के एकदिवसीय करियर की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। पहले 55 एकदिवसय में सचिन के नाम एक भी शतक नहीं है। उनका पहला शतक 79वें एकदिवसीय में बना था। 55 एकदिवसीय के बाद उनके 31.76 की औसत से केवल 1556 रन थे।

विराट कोहली : विराट के नाम एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 51 शतक लगाने का विश्व रिकॉर्ड है। उन्होंने अपने करियर में अभी तक 302 एकदिवसीय खेले हैं जिसमें 57.9 की औसत के साथ 14181 रन ही बनाए हैं। पहले 55 एकदिवसीय के बाद विराट के सचिन तेंदुलकर से अधिक 2059 रन थे, जो उन्होंने 42.9 की औसत के साथ बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 5 शतक भी लगाये थे।

शुभमन : शुभमन पहले 55 एकदिवसीय के बाद रनों और शतक के साथ ही औसत के मामले में भी कहीं आगे हैं। शुभमन ने अभी तक 59.04 की औसत के साथ 2775 रन बनाये हैं। उनके नाम 8 शतक है। इससे पता चलता है कि शुभमन सचिन और विराट की तुलना में काफी बेहतर है। अब देखना होगा कि आगे वह अपनी बढ़त बनाये रख पाते हैं या नहीं।

टेस्ट सहित सभी प्रारुपों में खेलना चाहते हैं रिंकू

नई दिल्ली। आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह ने अपनी बल्लेबाजी से टी20 क्रिकेट में अपनी अलग ही पहचान बनायी है। वह जिस प्रकार लंबे-लंबे छक्के लगाकर रन बनाते हैं उससे वह लोगों के पसंदीदा बल्लेबाज बन गये हैं और उन्हें टी20 विशेषज्ञ माना जाने लगा है। वहीं रिंकू ने कहा कि वह केवल टी20 के विशेषज्ञ बल्लेबाज नहीं बने रहना चाहते। उनका सपना भारतीय टीम की ओर से टेस्ट क्रिकेट खेलना है। रिंकू निचले क्रम पर तेजी से रन बनाने के लिए जाने जाते हैं। यही खूबी उन्हें अन्य खिलाड़ियों से अलग बनाती है। अब तक 33 टी20 आई में रिंकू ने 42 की औसत और 160 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 546 रन बनाए हैं। वहीं घरेलू क्रिकेट में भी उनका रिकॉर्ड प्रभावशाली रहा है। रिंकू ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अभी तक 50 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 54.68 की औसत के साथ 3336 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके नाम 22 अर्धशतक और 7 शतक हैं। रिंकू से पूछा गया कि अकसर आपको टी20 स्पेशलिस्ट का टैग दिया जाता तो उन्होंने कहा, फमुझे पता है कि जब मैं छक्के लगाता हूं तो प्रशंसकों को बहुत अच्छा लगता है, और मैं इसके लिए सचमुच आभारी हूं पर मेरा रणजी ट्रॉफी औसत भी बहुत अच्छा है, वहां मेरा औसत 55 से ज्यादा है। मुझे लाल गेंद से क्रिकेट खेलना बहुत पसंद है। मैंने भारत के लिए दो एकदिवसीय मैच भी खेले हैं और उनमें से एक में अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए, ऐसा नहीं है कि मैं सिर्फ टी20 खिलाड़ी हूं। मेरा मानना ??है कि अगर मुझे मौका मिले तो मैं हर प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन कर सकता हूं। उन्होंने आगे कहा, मुझे एक ही प्रारुप तक में सीमित रहना पसंद नहीं; मैं खुद को सभी फॉर्मेट का खिलाड़ी मानता हूं। मेरा सपना भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना है, और अगर मुझे मौका मिला, तो मैं उसे लेने के लिए तैयार रहूंगा। वह सुरेश रैना अपना आदर्श मानते हैं।'

एशिया कप से पहले पूर्व क्रिकेटर का बड़ा बयान, संजू सैमसन प्लेइंग 11 में नहीं हो सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी एशिया कप के लिए संजू सैमसन को भारतीय टीम में चुना गया है। लेकिन पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान को लगता है कि सैमसन को प्लेइंग 11 में जगह नहीं मिलेगा और ऐसा शुभमन गिल को जगह देने के कारण होगा।

इरफान ने सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, 'संजू ने वाकई अच्छा प्रदर्शन किया है। उनकी निरंतरता पर एक सवालिया निशान है। या तो वह शतक जड़ेंगे या सस्ते में आउट हो जाएंगे। जाहिर है कि अभिषेक शर्मा टीम में होंगे क्योंकि वह गेंदबाजी कर सकते हैं और उनका स्ट्राइक रेट कमाल का है। चूंकि जितेश शर्मा टीम में हैं, इसलिए उनके पास शुभमन गिल को सलामी बल्लेबाज के तौर पर खिलाने का विकल्प है। मैं भी यही विकल्प चुनूंगा।'

इस पूर्व ऑलराउंडर ने बताया कि कैसे

भारतीय क्रिकेट में अगले ऑल-फॉर्मेट कप्तान की तलाश ने गिल को अचानक से मौका दे दिया है। वे रोहित शर्मा का विकल्प चाहते हैं, और इस समय गिल सबसे अच्छा विकल्प हैं। उन्होंने कहा, 'भारतीय क्रिकेट इस समय नेतृत्व की तलाश में है। जब एमएस धोनी आए, तो हम बदलाव के दौर से गुजर रहे थे, लेकिन सौभाग्य से उन्होंने तुरंत विश्व कप (2007 में टी20) जीत लिया। धोनी के बाद विराट कोहली आए और उन्होंने कमान संभाली। फिर रोहित शर्मा आए और उन्होंने भी शानदार प्रदर्शन किया। हम हमेशा एक ऐसे नेतृत्वकर्ता की तलाश में रहते हैं जो भारतीय क्रिकेट को आगे ले जा सके। इसलिए गिल को खेलने के लिए सैमसन को बाहर बैठना पड़ सकता है। बेशक, विकेटकीपर को मध्यक्रम में आजमाया जा सकता है, लेकिन यह सैमसन और उन खिलाड़ियों के साथ अन्याय होगा जो पहले से ही उस क्रम पर खेल रहे हैं।'

इरफान ने आगे कहा, 'शुभमन गिल को जगह देने के लिए संजू को प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिल सकती। यह मुश्किल होगा। अगर वह निचले क्रम में खेल सकते हैं, तो क्यों नहीं? सैमसन को पांचवें नंबर पर खिलाएं। अगर ऐसा हो सकता है तो जितेश की जगह मध्यक्रम में बल्लेबाजी करनी होगी। लेकिन गिल को ऊपरी क्रम में खेलना चाहिए, क्योंकि तिलक वर्मा ने तीसरे नंबर पर अच्छा प्रदर्शन किया है।'

एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुबमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रित बुमरा, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), हर्षित राणा, रिंकू सिंह

स्टैंडबाय : प्रसिद्ध कृष्णा, वाशिंगटन सुंदर, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, यशस्वी जयसवाल।

सीएसके से ही अधिक सफल रहे हैं अश्विन : डिविलियर्स

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के पर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स का कहना है कि स्पिनर आर अश्विन को चेन्नई सुपरकिंग्स नहीं छोड़नी चाहिये थी। अश्विन ने हाल ही में आईपीएल से संन्यास की घोषणा कर दी थी। वह आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते थे। डिविलियर्स का मानना है कि अश्विन को सीएसके को कभी नहीं छोड़ना चाहिए था। अश्विन अब विदेशी लीग में खेलने जा रहे हैं। अश्विन ने आईपीएल में सीएसके के अलावा राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स, किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) और राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स के लिए भी खेला है। अश्विन सीएसके की ओर से सबसे ज्यादा सफल रहे हैं। करियर की शुरुआत भी उन्होंने इसी टीम के साथ की थी। डिविलियर्स का मानना है कि अश्विन को सीएसके को नहीं छोड़ना चाहिए था, क्योंकि जब वह अन्य टीमों के लिए खेलते थे तो स्थापित नहीं हो पाते थे। आईपीएल करियर में अश्विन ने 221 मैचों में 187 विकेट लिए हैं और वह आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले हैं। डिविलियर्स ने कहा, शानदार करियर। कहना ही पड़ेगा, क्या शानदार खिलाड़ी था। खेल का क्या वैज्ञानिक था। खेल का एक डॉक्टर, एक प्रोफेसर। वह हमेशा नियमों की सीमा तक जाता था। आम तौर पर सही होता था, भले ही उस पर थोड़ी-बहुत नाराजगी भी होती थी। मैं खेल का अध्ययन करने वाले लोगों का बहुत सम्मान करता हूं और वह ऐसे ही क्रिकेटरों में से एक था। उन्होंने साथ ही कहा, अविश्वसनीय कौशल। भारत में एक महान खिलाड़ी और आइकन। उन्होंने वर्षों तक टीम इंडिया और सीएसके के लिए कई मैच जीते हैं। उन्होंने दूसरी टीमों के लिए भी खेला, लेकिन उन टीमों में कभी भी अपने को स्थापित महसूस नहीं किया। मेरे विचार से, उन्हें हमेशा चेन्नई सुपर किंग्स में ही रहना चाहिए था। जाहिर है, यह उन पर निर्भर नहीं था, क्योंकि उन्हें टीम में बनाए रखने और टीम के चयन में कई तरह की बातें शामिल होती हैं, लेकिन मैं उन्हें हमेशा पीली जर्सी वाले खिलाड़ी के रूप में याद रखूंगा।

त्रिकोणीय सीरीज : राशिद की घातक गेंदबाजी से अफगानिस्तान ने यूएई को हराकर दर्ज की पहली जीत

शारजाह । कप्तान राशिद खान की जबरदस्त गेंदबाजी से अफगानिस्तान की टीम ने यहां तिकोणीय क्रिकेट सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान यूएई को हरा दिया। ये इस सीरीज में अफगान टीम की पहली जीत है। इससे उसे 2 अंक मिले हैं। इस मैच में अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सेदिकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान के शानदार अर्धशतकों से 188 रन बनाये। इसके बाद मेजबान यूएई की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 8 विकेट पर 150 रन ही बना पायी और उसे 38 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान की टीम ने 20 ओवरों में चार विकेट पर 188 रन बनाए।

पंजाब में बाढ़ से टूटा भारतीय कप्तान शुभमन गिल का दिल, हरभजन सिंह ने बढ़ाया मदद का हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने मंगलवार को अपने गृह राज्य पंजाब में लगातार बारिश के कारण आई बाढ़ से हुई भारी तबाही पर दुख व्यक्त किया। पंजाब के राजस्व, पुनर्वास और आपदा प्रबंधन मंत्री एस हरदीप सिंह मुंडियन के अनुसार बाढ़ ने 12 जिलों के 2.56 लाख से अधिक लोगों को प्रभावित किया है, हजारों लोगों को विस्थापित किया है और मानव जीवन, संपत्ति, कृषि और पशुधन को भारी नुकसान पहुंचाया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक पोस्ट में गिल ने लिखा, 'अपने पंजाब को बाढ़ से तबाह देखकर दिल टूट गया। पंजाब हमेशा किसी भी विपत्ति से अधिक मजबूत रहेगा, और हम इससे उबरेंगे। मेरी प्रार्थनाएं सभी प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मैं अपने लोगों के साथ मजबूती से खड़ा हूं।'

पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए सहायता राशि का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि वह पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव कार्य में तेजी लाने के लिए 10 नावें उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने लोगों से आगे आकर पंजाब के लिए अपना समर्थन दिखाने का अनुरोध भी किया।

हरभजन ने बताया, 'पंजाब और पंजाब के लोगों के प्रति अपना समर्थन दिखाएं। मैं खुद प्रभावित इलाकों में गया हूं। पंजाब में हम सभी लोगों के लिए यह एक मुश्किल समय है। हम एक-दूसरे की मदद कर रहे हैं। मैं सभी जत्थेबंदियों और विभिन्न संगठनों का धन्यवाद करता हूं जो लोगों को बचाने में मदद कर रहे हैं। मैंने प्रधानमंत्री मोदी से इस मुश्किल घड़ी में हमारी मदद करने का अनुरोध किया है। हम भारत के अन्नदाता हैं। मैं और लोगों से मदद के लिए आगे आने का अनुरोध करता हूं। पंजाब अब सभी की समस्या के साथ खड़ा है। पंजाब और पंजाब के लोगों के प्रति अपना समर्थन दिखाएं।'

तत्काल राहत प्रदान करने के लिए राज्य सरकार ने 129 राहत शिविर स्थापित किए हैं, जिनमें 7,144 लोग रह रहे हैं। फिरोजपुर में सबसे अधिक 3,987 लोग हैं, उसके बाद फाजिल्का (1,201), होशियारपुर (478), पठानकोट (411) और गुरदासपुर (424) हैं। अब तक कुल 1,044 गांव प्रभावित हुए हैं जिनमें गुरदासपुर में सबसे अधिक 321 गावं हैं, उसके बाद कपूरथला (115), होशियारपुर (94), अमृतसर (88) और पठानकोट (82) हैं।

गुरदासपुर सबसे अधिक प्रभावित जिला बना हुआ है, जहां लगभग 1.45 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। अन्य गंभीर रूप से प्रभावित जिलों में अमृतसर (35,000), फिरोजपुर (24,015) और फाजिल्का (21,562) शामिल हैं। राहत और बचाव कार्यों को तेज करने के लिए कई एजेंसियों को तैनात किया

गया है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF) ने 20 टीमें तैनात की हैं, जबकि सेना, नौसेना और वायु सेना ने 10 टुकड़ियां तैनात की हैं, जिनमें से 8 स्टैंडबाय पर हैं, साथ ही उनकी संबंधित इंजीनियर इकाइयां भी हैं। 114 नावों और एक सरकारी हेलीकॉप्टर की मदद से 35 से ज़्यादा हेलीकॉप्टर बचाव कार्यों में लगे हुए हैं। सीमा सुरक्षा बल (BSF) को भी प्रभावित सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात किया गया है।

अफगानिस्तान क्रिकेट टीम ने भूकंप पीड़ितों को दान की मैच फीस

शारजार । यहां अभी त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज खेल रही अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों ने अपने देश में आये भूकंप पर दुख जताते हुए पीड़ितों के लिए मैच फीस की पूरी राशि ही दान कर दी है। इन खिलाड़ियों ने भूकंप पीड़ितों के लिए दुआएं भी की हैं। खिलाड़ियों ने कहा है कि वे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ मिली मिली मैच फीस की राशि दान कर देंगे। पूरी मैच फीस के साथ ही खिलाड़ियों ने निजी तौर पर भी सहायता राशि दी है। अफगानिस्तान और यूएई के खिलाड़ियों ने मैच से पहले जान गंवाने वाले लोगों की याद में कुछ देर के लिए मौन भी रखा। गौरतब है कि 1 सितंबर की देर रात आए भूकंप से अफगानिस्तान में 800 से ज्यादा लोग मारे गए। इसके अलावा 2,800 से ज्यादा लोग इस घायल भी हुए हैं। इलाके के घर भी तबाह हो गये हैं। भारत समेत कई देश अफगानिस्तान की सहायता के लिए आगे आए हैं। खाद्य सामग्री के साथ-साथ मेडिकल सुविधाएं भी उपलब्ध करायी गयी हैं। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कहा, टीम ने भूकंप पीड़ितों के साथ एकजुटता दिखायी है। अफगानिस्तान टीम ने यूएई के खिलाफ होने वाले मैच की अपनी पूरी मैच फीस और अतिरिक्त राशि भूकंप से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए देने की बात कही है। इसके अलावा, खोस्त प्रांत में चल रहे क्षेत्रीय लिस्ट ए टूर्नामेंट में शामिल खिलाड़ी भी अपना दान एकत्र करेंगे।

'अजुल' गाने पर छिड़े विवाद के बीच गुरु ने शेयर की क्रिप्टिक पोस्ट

मशहूर पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा के नए हालिया रिलीज गाने 'अजुल' को आलोचनाओं का शिकार होना पड़ रहा है। इस गाने में दिखाए गए टीचर और स्टूडेंट के बीच के संबंधों को लेकर विवाद शुरू हो गया। इसके चलते गुरु को नाबालिगों के कथित यौन शोषण के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। अब इस विवाद के बीच गुरु रंधाना ने एक क्रिप्टिक पोस्ट किया है। गुरु ने शेयर किए गाने के व्यूज के आंकड़े गाने को लेकर हो रही आलोचनाओं के बीच गुरु ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक क्रिप्टिक पोस्ट किया है। जिसको देखकर ऐसा लगता है कि उन्होंने आलोचकों को एक तरह से जवाब दिया है। हालांकि, उन्होंने इसमें सीधे तौर पर ऐसा कुछ नहीं कहा है। दरअसल, सिंगर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर 'अजुल' गाने को मिले व्यूज और लाइक्स का एक स्क्रीनशॉट साझा किया है। स्टोरी में दिखाया गया है कि यह गाना पिछले एक घंटे में 107,200 से ज्यादा बार देखा गया और यूट्यूब पर 27,000 से ज्यादा बार सर्च किया गया है।

'अजुल इज अजुलिंग'

इस स्टोरी को शेयर करते हुए गुरु रंधावा ने लिखा, 'अजुल इज अजुलिंग। जब भगवान आपके साथ होते हैं, तो आप केवल आगे बढ़ते हैं।' इसके साथ ही उन्होंने दिल और सेलिब्रेशन वाले इमोजी भी बनाए हैं।

यह है विवाद का कारण

'अजुल' गाने में गुरु एक फोटोग्राफी टीचर की भूमिका निभा रहे हैं जो अपने छात्रों की एक ग्रुप फोटो लेने की तैयारी कर रहे हैं। वह अपनी स्टूडेंट जिसका किरदार अंशिका पांडे ने निभाया है। उसके आने का इंतजार करते हैं। अंशिका स्कूल यूनिफॉर्म पहनकर आती हैं और अपना डांस दिखाती हैं, जबकि गुरु का किरदार उनके डांस के हाव-भाव निहारता नजर आता है। बाद में वह कैजुअल आउटफिट में आ जाती हैं और बोल्ड कोरियोग्राफी के साथ डांस करती हैं। हालांकि, असल में अंशिका की उम्र क्या है इसका तो पता नहीं है। लेकिन वीडियो में उन्हें एक स्कूल स्टूडेंट के रूप में दिखाए जाने पर लोगों ने नाराजगी जताई है।

अपने पार्टनर में कुछ खास खूबियां चाहती हैं जान्हवी

हाल ही में जान्हवी कपूर को 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में फिल्म 'परम सुंदरी' के को-एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ देखा गया। दोनों ने जहां फिल्म को लेकर बातचीत की, वहीं अपनी लव लाइफ के बारे में भी कुछ बातें साझा कीं। जान्हवी ने बताया कि वह अपने पार्टनर में क्या-क्या खूबियां चाहती हैं। कपिल शर्मा ने शो में पूछा कि जान्हवी आपको कैसे इंप्रेस किया जाए? इस पर वह बोलीं- 'यह खाने पर आधारित है, सर।' आगे सिद्धार्थ मल्होत्रा कहते हैं, 'इन्हें एक कुक चाहिए।' फिर जान्हवी कपूर कहती हैं, 'मेरे पार्टनर को खाना बनाना आना चाहिए, वह खाने के शौकीन होने चाहिए। हां, वह तीखा खाना सहन कर पाते हों।' दरअसल, जान्हवी को तीखा खाना बहुत पसंद है। वह आगे जवाब देती हैं, 'बेशक, खाने के साथ अगर हरी मिर्ची साइड में नहीं रखी तो वो खाना ही क्या है? बताते चलें कि असल जिंदगी में जान्हवी कपूर का नाम बिजनेसमैन शिखर पहाड़िया से जुड़ा जाता है, दोनों को अक्सर साथ डेट पर देखा भी जाता है।

जान्हवी कपूर की फिल्म को मिला अच्छा रिस्पॉन्स

जान्हवी कपूर की फिल्म 'परम सुंदरी' को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। जान्हवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा स्टारर फिल्म 'परम सुंदरी' एक रोमांटिक ड्रामा है। इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा परम नाम का किरदार निभा रहे हैं, जो कि उत्तर भारत से बिलॉन्ग करता है, वहीं जान्हवी कपूर ने सुंदरी नाम की लड़की का रोल किया है, जो दक्षिण भारत से आती है। इन दोनों के बीच कैसे प्यार होता है, यह फिल्म की स्टोरी लाइन है।

इंडस्ट्री में काम पाने के लिए रील बनाते थे अहान

अहान पांडे अपनी पहली फिल्म 'सैयारा' से स्टार बन गए। फिल्म में उनकी परफॉर्मेंस को काफी पसंद किया गया और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्डतोड़ कमाई की। यही कारण है कि फिल्म के दोनों लीड एक्टर्स अहान पांडे और अनीत पड्डा युवाओं के बीच नई सेंसेशन बन गए। फिल्म के प्रमोशन के दौरान निर्देशक मोहित सूरी ने अहान को टिकटॉकर बताया था। अब अहान ने फिल्म के रिलीज से पहले अपनी इंस्टाग्राम वाली पर्सनैलिटी को लेकर बात की। बातचीत के दौरान अहान ने कहा कि जब मैं इंस्टाग्राम पर सक्रिय था, तो उस पर मेरा व्यक्तित्व वैसा नहीं था जैसा मैं असल में था। यह वैसा था जैसा मुझे लगता था कि फिल्म बिरादरी का ध्यान आकर्षित करने के लिए मुझे बनना होगा, ताकि मुझे काम मिल सके। यह एक ऐसा व्यक्तित्व है जिसे मैंने अपनाया। 'सैयारा' के अपने किरदार कृष के बारे में बात करते हुए अहान पांडे ने आगे कहा, यह ऐसा किरदार नहीं है जिसके बारे में मैंने सोचा था कि मैं करूंगा। मैं जो ऑडिशन देता था वह ज्यादा सॉफ्ट, मजेदार, एनर्जी और पॉजिटिविटी से भरपूर पड़ोस के लड़के जैसा होता था। आप कृष को पड़ोस में नहीं चाहते।

फिल्म हाटक में नए अवतार में फिल्मी पर्दे पर दिखने वाली हैं अदा शर्मा

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदा शर्मा अब नए अवतार में फिल्मी पर्दे पर दिखने वाली हैं। द केरल स्टोरी फिल्म से चर्चाओं में आईं अभिनेत्री अदा शर्मा अब एक्शन करते हुए अपनी नई फिल्म हाटक में नजर आएंगी। अदा की इस फिल्म का मोशन पोस्टर रिलीज किया गया है जिसमें वो हाथ में बंदूक पकड़े खतरनाक अंदाज में नजर आ रही हैं।

अदा शर्मा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा- हाटक- एक डकैती, बिना रहम के। शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है। आप सबका आशीर्वाद चाहिए। इसके अलावा उन्होंने जानकारी दी है इस फिल्म का अजय के शर्मा निर्देशन करेंगे।

शिवरंजनी आचार्य के रोल में अदा शर्मा

फिल्म के मोशन पोस्टर के साथ ही अदा का पहला लुक सामने आया है। अदा इसमें 'शिवरंजनी आचार्य' नाम के किरदार में दिखाई देंगी। उनके हाथ में बंदूक और चेहरे पर खतरनाक तेवर देखकर साफ है कि ये किरदार उनकी अब तक की भूमिकाओं से बिल्कुल अलग है। इस बार अदा सिर्फ खूबसूरती या मासूमियत नहीं, बल्कि एक सशक्त और निडर महिला का किरदार निभा रही हैं। बता दें फिल्म की शूटिंग जल्द ही राजस्थान और उत्तर भारत की खूबसूरत और ऐतिहासिक लोकेशंस पर शुरू होने वाली है। इन जगहों पर फिल्म का माहौल और भी ज्यादा दमदार दिखाई देगा। उम्मीद जताई जा रही है कि इस फिल्म के जरिए दर्शकों को एक अलग तरह की डकैती ड्रामा कहानी देखने को मिलेगी, जिसमें रहस्य, एक्शन और इमोशन का सही संतुलन होगा।

मनोज बाजपेयी ने ओटीटी को इन लोगों के लिए बताया आशीर्वाद

मनोज बाजपेयी बॉलीवुड के उन अभिनेताओं में शुमार होते हैं जो बहुत प्रतिभावान हैं। वह अपनी अलग अदाकारी के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया है कि ओटीटी उनके जैसे कलाकारों के लिए आशीर्वाद है। उनके मुताबिक कई बार ओटीटी की कहानी बड़े पर्दे से ज्यादा मजबूत होती है।

मनोज बाजपेयी ने बड़े पर्दे और ओटीटी पर बनाई पहचान

मनोज बाजपेयी बड़े पर्दे के जाने माने एक्टर हैं। उन्होंने दस्तक, द्रोह काल और कई दूसरी फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत की। हाल के वर्षों में वह ओटीटी के मशहूर कलाकार बनकर उभरे हैं। उन्होंने ओटीटी शो द फैमिली मैन और सिर्फ एक बंदा काफी है जैसी सीरीज में अच्छी अदाकारी की है। पहले बड़े पर्दे पर फिर ओटीटी पर अपनी पहचान बना चुके अभिनेता ने दोनों के बीच अंतर बताया है। ओटीटी ने कई कलाकारों को मौका दिया मनोज बाजपेयी का कहना है कि ओटीटी की तुलना में भारत में थिएटरों की फिल्में प्रतिभा पर आधारित नहीं होती। यह फिल्में अगर बॉक्स ऑफिस पर चलती हैं तो इन्हें अच्छा माना जाता है। उन्होंने एएनआई से कहा कि ओटीटी बॉक्स ऑफिस के प्रदर्शन के बजाए अच्छी कहानी और प्रतिभा पर निर्भर है।

प्रतिभावान लोगों के लिए आशीर्वाद है ओटीटी

मनोज बाजपेयी ने आगे कहा मुझे लगता है कि ओटीटी प्रतिभावान लोगों के लिए आशीर्वाद है। भारत में फिल्में प्रतिभा पर निर्भर नहीं करतीं। मुझे इसे दुख के साथ कहना पड़ रहा है। भारत में कई मुख्यधारा की फिल्में प्रतिभा पर आधारित नहीं होतीं। वह बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों पर निर्भर होती हैं। हालांकि ओटीटी पर मामला इसके विपरीत है। यहां आपको अच्छी कहानी और अच्छी प्रतिभा चाहिए। इसके बाद ही कुछ हो सकता है। पिछले सात वर्षों में मैंने यह देखा है।

मनोज बाजपेयी का काम

मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म इंस्पेक्टर जेंदे को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 5 सितंबर को ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी पुलिस के किरदार में होंगे। इसका ट्रेलर रिलीज हो गया है। इंस्पेक्टर जेंदे का निर्देशन चिन्मय डी. मंडलेकर कर रहे हैं।

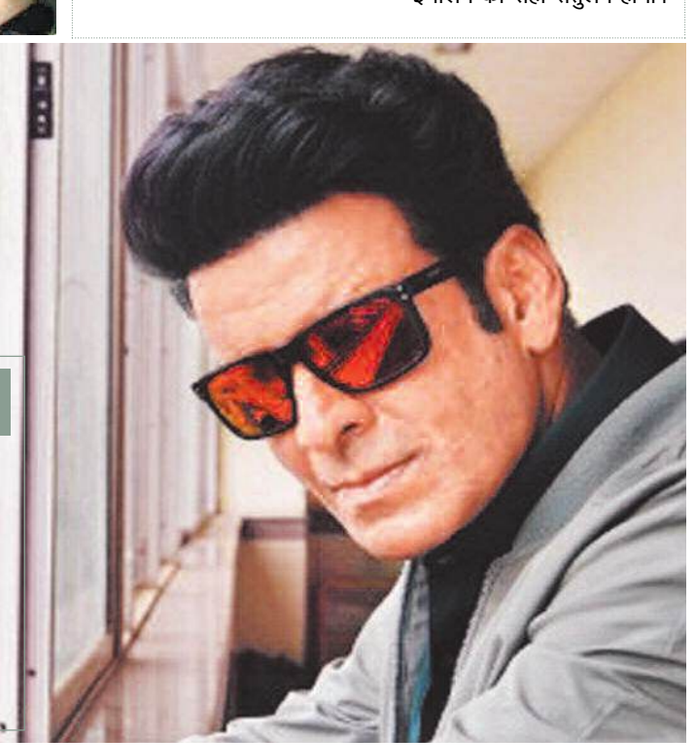

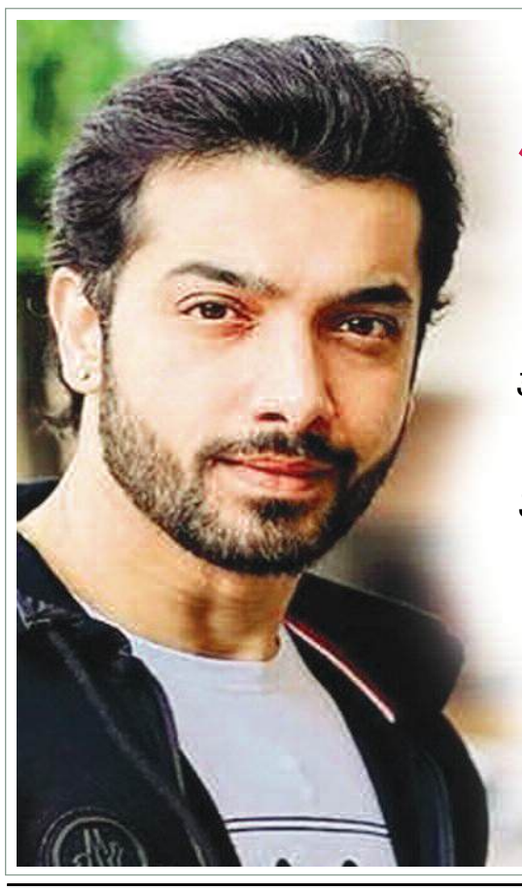

ओटीटी से टीवी एक्टर वाला तमगा हटा

छोटे पर्दे पर तकरीबन बीस सालों का अभिनय सफर तय कर चुके शरद मल्होत्रा कहते हैं, मुझे टीवी पर बहुत प्यार मिला और बीते वक्त में ओटीटी के आने से टीवी एक्टर वाला तमगा भी हटा है, मगर इसका पहला श्रेय सुशांत सिंह राजपूत को जाना चाहिए। टीवी के इस अदाकार ने दूसरे टेलिविजन आर्टिस्ट के लिए फिल्मों के दरवाजे खोले। आज तो सभी आर्टिस्ट हर माध्यम में काम कर रहे हैं। मुझे लगता है, ये कलाकारों के लिए खूबसूरत दौर है।

इंटिमेट सीन्स में काफी नर्वस था

अपनी वर्टिकल सीरीज में इंटिमेसी सीन्स को लेकर शरद बताते हैं, फिजिकल इंटिमेसी वाले दृश्यों के लिए पर इंटिमेसी डायरेक्टर भी थे।इस तरह के सीन्स में एक्टर की जिम्मेदारी ज्यादा होती है कि वो अपनी एक्ट्रेस को कंफर्टेबल करे। मैंने सीन्स की शूटिंग के पहले अपनी अभिनेत्री को पूछा कि वे कितनी कंफर्टेबल हैं? बीस साल के करियर में मैं पहली बार किस कर रहा था। मैं बहुत नर्वस था, मुश्किल भी था, मगर इंटिमेसी डायरेक्टर ने कहा, जहां आपको ऑकवर्ड लगेगा, आप बैकऑउट कर जाना। मगर फिर ये काफी शालीनता से एक-दो टेक में ओके हो गया। उनके पहले ऑनस्क्रीन सीन पर उनकी पत्नी रिप्सी का क्या टेक था? इस पर वे कहते हैं, रिप्सी से जब भी बात होती थी, वो हमेशा कहती, जब भी स्क्रीन पर कुछ करो, मुझे पहले बता देना। ताकि मैं मानसिक रूप से तैयार रहूं। रिप्सी ने देखा और उसे अच्छा लगा। उसने कहा, तुम बहुत विलेन लग रहे हो। तुम ऐसे भी हो क्या? उसने भी एक एक्टर के रूप में मेरा ऐसा रूप नहीं देखा था।

टीवी का जाना-माना नाम रहे शरद मल्होत्रा ने सिडनी विथ लव जैसी फिल्म के जरिए बॉलिवुड में अपना भाग्य भी आजमाया। वे कहते हैं, जिस वक्त मैंने अपनी पहली फिल्म की, तो मुझे लगा कि इस फिल्म के बाद तो मैं रातों-रात शाहरुख खान बन जाऊंगा। मगर जब फिल्म रिलीज हुई और नहीं चली, तो मैं डिप्रेशन में चला गया। मैं फिल्मों के ऑफर के वेट करता रहा, मगर वैसे मनचाहे प्रस्ताव नहीं मिले, तो मैंने दो -तीन साल का ब्रेक लिया। हालांकि जब उस ब्रेक में कुछ क्रैक नहीं हो रहा था, तब एक बार मुझे लगा कि मुझे बैग पैक करके अपने होम टाउन कोलकाता लौटना पड़ेगा। मेरी तमाम कोशिशें नाकाम हो रही थीं । उस निराशा के दौर में अपने मेंटल हेल्थ पर ध्यान रखा। मैंने इबादत भी खूब की। लेकिन बाद में समझ में आया कि उनको भी शाहरुख खान बनने में 25 साल लगे और मैंने सब्र से काम लिया।

जो होता है अच्छे के लिए होता है

अपनी जिंदगी के उतार-चढ़ाव और गलत फैसलों पर वे कहते हैं, मुझे लगता है, गलत तो कुछ नहीं होता, हां हालत गलत हो जाते हैं। कई बार हम रिलेशनशिप में कुछ फैसले लेकर उन पर टिक जाते हैं और बाद में हमें लगता है कि हमें सोच-विचार कर फैसला लेना चाहिए था। लेकिन तब हम बहुत ही बेसब्र और अपरिपक्व होते हैं। आज पलट कर देखने पर लगता है कि वो नहीं होना चाहिए था, मगर किस्मत में वही लिखा था। मैं अपने करियर की बात करूं, तो अगर मेरी फिल्म सिडनी विथ लव अगर हिट हो जाती तो मैं शायद टीवी में महाराणा प्रताप, नागिन और कसम जैसे सुपरहिट शो नहीं करता। अब लगता है कि जो होता है, अच्छे के लिए होता है।

आज के वक्त की मांग है माइक्रो सीरीज

अपनी पहली माइक्रो सीरीज गलत के बारे में वे कहते हैं, विक्रम भट्ट के साथ काम करना बहुत ही सौभाग्य की बात थी। उन्होंने इसे लिखा है। इसमें मेरे किरदार के अनुसार मैंने जॉर्ज क्लूनी और रिचर्ड गेयर का सॉल्ट एंड पेपर लुक है। इस लुक के लिए मैंने जो ट्रांसफॉर्मेशन किया, काफी मेहनत हुई। ये 45 साल का एक मिडल एज शख्स है, जिसे एक 20-22 साल की लड़की से इश्क हो जाता है। मुझे लगता है कि आज के दौर में कोई भी इंसान ब्लैक या वाइट नहीं है, तो मेरा किरदार भी ग्रे है। चालीस-पचास मिनट के आठ -आठ एपिसोड के लॉन्ग फॉर्मेट की तुलना में दो-दो मिनट की माइक्रो सीरीज के बारे में वे कहते हैं, इस तरह की माइक्रो सीरीज ट्रैवलिंग करते हुए या कहीं आपको शॉर्ट टाइम पास चाहिए, उसके लिए हैं। ये से रील्स की तरह हैं। इसमें दो-ढाई मिनट्स के एपिसोड्स होते हैं। ये काफी रोचक है और वक्त की मांग है, मगर फिल्मों और टीवी से इसकी तुलना करना बेमानी है, क्योंकि यह एक नया और अलग ट्रेंड है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।